हरिभूमि

इस्पात भूमि

रायपुर, शुक्रवार, 20 जून 2025

[भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | सेलूद | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर]

तापमान

अधिकतम 28.7 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

टीबीसी ऐप में स्कैनिंग नहीं होने की वजह से प्रदेशभर के 29.46 लाख विद्यार्थियों को नहीं मिली किताबें

देवीलाल साहू ▶▶| भिलाई

स्कूली विद्यार्थियों को मुफ्त पाठ्यपुस्तक वितरण योजना में बिना तैयारी के बदलाव कर लिया गया। नतीजा यह हो रहा है कि स्कूल खुले तीन दिन हो गए हैं लेकिन प्रदेशभर के 29.46 लाख विद्यार्थियों को किताबें नहीं बांटी जा सकी है। इस बार विद्यार्थियों की संख्या से ज्यादा किताबों को छापने से रोकने के लिए नई व्यवस्था की गई है। इस नई व्यवस्था के तहत राज्य ने टीबीसी पाठ्य पुस्तक निगम सीजी ऐप शुरू की है। जिसमें ऑनलाइन जिलेवार पुस्तकों की एंट्री करनी है। इस ऐप का सर्वर ठीक से काम नहीं कर रहा है। जिसकी वजह से पूरे जिलेभर के 5542 संकुलों और 1046 सेजस स्कूलों में किताबें नहीं पहुंच पाई है।

अलग खबर

तीन दिन हो गए स्कूल खुले लेकिन बिना किताबों से पढ़ाई नहीं हो पाई शुरू

प्रदेशभर के 309627 सेजस विद्यार्थियों को नहीं मिली किताबें

प्रदेशभर में कुल 1046 सरकारी स्वामी आत्मानंद इंग्लिश व हिन्दी माध्यम स्कूल संचालित हैं। यहां के 309687 विद्यार्थियों को सरकारी योजना के तहत मुफ्त किताबें देना है। हाल यह है कि इन स्कूलों तक किताबें नहीं पहुंच पाई है। जिसकी वजह से शिक्षक विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रारंभ नहीं कर पा रहे हैं। दुर्ग जिले में 81 सेजस स्कूल के 27460 विद्यार्थियों को 151652 किताबों की जरूरत है। रायपुर जिले में 59 सेजस स्कूल के 26168 विद्यार्थियों में से केवल 26 स्कूलों में ही वितरण हो पाया है। बालोद जिले के 48 सेजस स्कूल के 13017 विद्यार्थियों को 76123 किताबें चाहिए। राजनांदगांव जिले के 15 सेजस स्कूल के 6939 विद्यार्थियों को 40653 किताबें नहीं बंटी। बिलासपुर जिले के 51 सेजस स्कूलों के 21037 विद्यार्थियों को 130899 किताबों में से 3182 किताबें ही वितरित हो पाई है।

संभाग में दुर्ग जिले में महज 17 प्रतिशत किताबें बंटी

दुर्ग संभाग के प्राइमरी और मिडिल स्कूलों के कुछ ही विद्यार्थियों को ही किताबें मिल पाई है। सबसे कम दुर्ग जिले के विद्यार्थियों को किताबें बंटी है। दुर्ग जिले में महज 17 प्रतिशत किताबें प्राइमरी व मिडिल स्कूल के विद्यार्थियों को मिली है। जबकि इस संभाग के बालोद जिले में 36 प्रतिशत, बेमेतरा जिले में 42 प्रतिशत, कवर्धा जिले में 26 प्रतिशत और राजनांदगांव जिले में 55 प्रतिशत किताबें बांटी गई है।

प्राइमरी व मिडिल स्कूलों में 3 लाख विद्यार्थी हर दिन कर रहे इंतजार

शिक्षक बताते हैं कि प्राइमरी और मिडिल स्कूलों में हर दिन बच्चे स्कूल जा रहे हैं और पूरे समय ये इंतजार कर रहे हैं कि आज किताबें मिलेगी। फिर दूसरे दिन स्कूल की उम्मीद लगाए होते हैं। यह दिन भी ऐसा ही जाता है। राज्य से प्रदेशभर के 33 जिलों के 5542 संकुलों में 309687 विद्यार्थी इस योजना के दायरे में हैं। इन संकुलों में कुल 14771174 पाठ्यपुस्तकों का वितरण होना है लेकिन 3434088 पुस्तकें ही वितरित हो पाई है। जो टारगेट का 39 प्रतिशत है।

हिंदी व अंग्रेजी माध्यम के दोनों स्कूलों में पढ़ाई ठप

प्रदेशभर के स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल और हिन्दी माध्यम से चल रहे स्कूलों में बिना किताबों की पढ़ाई ही नहीं हो पा रही है। विद्यार्थी बताते हैं कि वे रोजाना स्कूल आते हैं और केवल मौज मस्ती कर चले जा रहे हैं। शिक्षक क्लास में आते हैं लेकिन पुस्तक आने पर ही पढ़ाई करवाने की बात कहते हैं और चले जाते हैं। इधर शिक्षकों का कहना है कि नई पुस्तक में बार कोड अंकित हैं। इसके स्कैनिंग के बिना हम बच्चों को किताबें दे नहीं सकते। बार कोड की स्कैन नहीं हो पा रहा है इसलिए भी कुछ आई पुस्तकों को नहीं बांट पा रहे हैं।

हाई स्कूल की किताबें संकुल में ही डंप, अब तक नहीं बंट पाई

हाई स्कूल यानी दसवीं तक के विद्यार्थियों को किताबें दी जानी है। राज्य से डंप होकर ट्रकों से पुस्तकें संकुलों में पहुंचाई जा रही है। हाई स्कूल के विद्यार्थियों के लिए स्कूलों में किताबें सीधी पहुंचानी है लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा है। शिक्षकों से कहा जा रहा है कि अपने-अपने स्कूल की किताबें जाकर संकुल से लेकर जाएं। प्रदेश के 4178 हाई स्कूलों के 542286 विद्यार्थियों को पुस्तकें बांटी जानी है। 3524859 किताबों में से 2708577 किताबें यानी 78 प्रतिशत किताबें बांटने का दावा किया गया है।

किताबें पहुंच रही है

राज्य से किताबें संकुलों में पहुंच रही है। जैसे-जैसे किताबें मिल रही है वैसे-वैसे वितरण करने के निर्देश दे दिए हैं। इस बार टीबीसी ऐप में स्कैनिंग करके किताबें बांटनी है। सर्वर की समस्या भी आ रही है। इसलिए वितरण प्रभावित है।

-अरविंद कुमार मिश्रा, डीईओ दुर्ग

विद्यार्थियों की पढ़ाई ठप

स्कूल खुले तीन दिन हो गए हैं लेकिन अब तक बच्चों को पुस्तकें नहीं मिली है। जिसकी वजह से पढ़ाई पूरी तरह ठप है। पुस्तक वितरण तेजी से करने की जरूरत है। नहीं तो आगे रिजल्ट भी प्रभावित होगा।

भुवन सिन्हा, दुर्ग संभाग अध्यक्ष, छग शिक्षक संघ

खबर संक्षेप

चाकू से हमला कर लूट तीन युवक गिरफ्तार

भिलाई। खुर्सीपार क्षेत्र में चाकू से हमला कर लूट करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा। पुलिस ने बताया कि खुर्सीपार निवासी विनोद कुमार पर अंग्रेजी शराब दुकान के पास चाकू से हमला कर 300 रुपए की लूट की गई थी। पुलिस ने अपराध दर्ज कर मामले में जांच शुरू की। जांच के बाद शेखर पिता संजय गुप्ता 20 वर्ष, मज्जी कुमार 19 वर्ष, आफताब अंसारी 19 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

अपहरण कर मारपीट करने वाले गिरफ्तार

भिलाई। श्रमिक नगर छावनी निवासी हरीश उर्फ विक्की पिता नारायण सोनी (33वर्ष) का अपहरण कर मारपीट करने के मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार कया है। 21 मई को हरीश को गाड़ी में बैठाकर ले जाया गया, इसके बाद उससे मारपीट की गई। आरोपियों में कैनाल रोड खुर्सीपार निवासी इंद्रजीत उर्फ टकली पिता चरणजीत सिंह, न्यू खुर्सीपार निवासी हरू उर्फ हर्ष सिंह पिता अवतार सिंह, सुभाष मार्केट निवासी गोली उर्फ ओमकार सिंह पिता अवतार सिंह शामिल हैं। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। मामले में पुलिस की जांच जारी है।

कंपनी का डायरेक्टर बताकर धोखाधड़ी

भिलाई। बड़ी कंपनी रूलबर्ड वाईट साफटेक प्राइवेट लिमिटेड का डायरेक्टर बताकर 6 हाईवा किराए पर लेने के बाद किराया राशि नहीं देने के मामले में पुलिस ने सेक्टर-8 निवासी लोकेश पिता टिकलेश्वर नेताम (30 वर्ष) और आनंद विहार फेज-2 निवासी स्वप्निल पिता अरविंद शिंदे (31 वर्ष) को गिरफ्तार किया। उन्होंने कोर्ट में पेश किया गया, जहां से 14 दिन की रिमांड पर जेल भेज दिया गया। भिलाई तीन पुलिस ने बताया कि प्रार्थी के विठ्ठलपुरम ऑफिस मे जाकर कोरबा, बिलासपुर, अंबिकापुर, रायगढ़ के कंपनी एवं कोल खदान के अधिकारी एवं सभी विधायक मंत्री से अच्छा संबंध है कि बात कहकर 6 हाईवा किराए पर लिए गए। मासिक किराया 2,40,000 रुपए तय किया गया, लेकिन राशि नहीं दी गई। इस प्रकार 14.40 लाख रुपए किराया नहीं दिया गया।

भिलाई निगम के जनप्रतिनिधियों को नहीं है डर, सार्वजनिक जगहों का बेखौफ उपयोग

अंधेरगर्दी...शहर सरकार के मंत्री शादी-पार्टी के लिए गार्डनों की कर रहे बुकिंग

डॉ. संदीप उपाध्याय ▶▶| भिलाई

भिलाई नगर निगम अंतर्गत लगभग 70 गार्डन हैं, इसमें से अधिकतर में या तो निगम के किसी पार्षद ने कब्जा कर अपना कार्यालय खोल लिया है, या फिर वहां के गार्डन और भवन को शादी और बर्थडे पार्टी के लिए किराये पर देकर मोटा मुनाफा कमा रहा है।

ऐसा ही कुछ कार्य भिलाई नगर निगम की शहर सरकार के मंत्री लालचंद वर्मा कर रहे हैं। इनके खिलाफ संतोषी पारा कैंप 2 भिलाई निवासी प्रदीप सिंह ने लिखित शिकायत की है। प्रदीप ने नगर निगम आयुक्त राजीव पाण्डेय को शिकायत में बताया है कि एमआईसी मेंबर और वार्ड के पार्षद लालचंद वर्मा ने मोर दुआरी, मोर अंगना नाम के गार्डन में कब्जा कर अपना कार्यालय बना लिया है। इतना ही नहीं उनके द्वारा यहां के सामुदायिक भवन और गार्डन को शादी पार्टी के लिए बुक किया जाता है। साथ ही साथ पार्टी में लगने वाला टेंट भी उनके द्वारा ही दिया जाता है। इससे वो निगम की संपत्ति का दुरुपयोग करके उससे मोटा मुनाफा कमा रहे हैं। प्रदीप ने आयुक्त से वर्मा को पार्षद पद से बर्खास्त कर एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है।

सरकारी बिजली पानी का उपयोग फिर भी निगम प्रशासन मौन

निगम के भवन में भी पार्टी का आयोजन

"मोर दुआरी, मोर अंगना" काफी बड़े क्षेत्रफल में है। यहां 3000 वर्गफिट का सरदार वल्लभभाई पटेल भवन है। इस भवन की बुकिंग भी पार्षद वर्मा के द्वारा 1500 रुपए लेकर की जाती है। इसके साथ ही बुकिंग धारक उस टेंट हाउस का टेंट लगवाएगा, जिसे पार्षद वर्मा चाहेंगे। यहां अधिकतर टेंट जो लगता है वो निरंजन साव के टेंट लगता है। इतना ही नहीं वो भवन के अंदर ही अपना टेंट हाउस का पूरा सामान भी रखता है।

निगम की बिजली और पानी का हो रहा उपयोग

"मोर दुआरी, मोर अंगना" गार्डन में जो बिजली और बोर लगा है वो नगर निगम की संपति है। इसका उपयोग भी पार्टी के दौरान किया जाता है, लेकिन निगम के खजाने में एक रुपए भी नहीं जमा किया जा रहा है।

राधिका नगर में कार्यालय

गार्डन या शासकीय भवन में कब्जा करने का काम केवल शहर सरकार एक मंत्री नहीं बल्कि अन्य भी कर रहे हैं। राधिका नगर वार्ड 7 में एमआईसी मेंबर आदित्य सिंह ने भी सामुदायिक भवन और उससे लगे गार्डन में कब्जा करके अपना एक भव्य पार्षद कार्यालय खोल लिया है। शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई।

लाल मैदान में भी बुकिंग

भिलाई टाउनशिप में सेक्टर 6 अंतर्गत लाल मैदान में भी कुछ लोग धड़ल्ले से मैदान को शादी व्याह के लिए बुक कर रहे हैं। यहां कई बड़ी बड़ी शादी बिना बीएसपी प्रबंधन की परमीशन के हुई हैं, लेकिन वो यह तक पता नहीं कर रहा है कि आखिर उनके सार्वजनिक मैदान का व्यवसायिक उपयोग कौन कर रहा है।

व्यापारिक उपयोग के लिए कब्जा

निगम के नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा का कहना है कि निगम की संपति पर कोई व्यक्तिगत या व्यवसायिक उपयोग के लिए कब्जा नहीं कर सकता है। यदि ऐसा हो तो निगम उसे खाली कराकर अपने कब्जे में ले और ऐसा करने वाले के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे।

अपने यहां टेंट और डेकोरेशन सब उपलब्ध

हरिभूमि स्टिंग

- ■ भाई साहब बुकिंग के लिए फोन किया था आप बताए नहीं
- ■■ भाई मैं भूल गया था आना ना कल मैं नोट करा दिया हूं।
- ■ लालचंद वर्मा भइया बोल रहे हो ना आप।
- ■■ हां मैं लालचंद वर्मा बोल रहा हूं।
- ■ भइया मैं पूछ रहा था कि बुकिंग के बाद टेंट मैं अपना लगा सकता हूं क्या।
- ■■ अपने यहां टेंट और डेकोरेशन सबकुछ है। आप ये बता दो कि बाहर भी लगवाओगे या भवन के अंदर भी
- ■ भइया एडवांस कितना छोड़ना पड़ेगा और कितना लगेगा पूरा खर्च
- ■■ आना कल मेरे ऑफिस वहीं सब बता दूंगा और एडवांस भी छोड़ देना।

नोट: आम आदमी बनकर हरिभूमि ने की एमआईसी लालचंद से बातचीत

निगम के पास गार्डन रख रखाव की है योजना

भिलाई के मेयर नीरज पाल का कहना है कि निगम के किसी भी भवन या गार्डन में कोई कब्जा नहीं कर सकता है। गार्डन स्वस्थ्य मनोरंज लिए होता है। अगर किसी एमआईआसी मेंबर या पार्षद ने ऐसा कब्जा किया है तो उसे समझाया जाएगा कि वो ऐसा ना करें। मेयर नीरज पाल ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति या जन प्रतिनिधि किसी सार्वजनिक गार्डन को देखरेख के लिए लेना चाहता है तो उसके लिए स्कीम है। कोई चाहे तो गार्डन डेवलप के लिए 10 हजार रुपए सिक्यूरिटी मनी जमा करके गार्डन को ले सकता है। इसके लिए उसे गार्डन की देखरेख के लिए माली और गार्ड रखना होगा। उसके एवज में वो आठ बाई आठ की अपनी एक गुमटीनुमा दुकान वहां बना सकता है। उसका उपयोग प्रतिबंधित व्यवसाय को छोड़कर अन्य व्यवसाय कर सकता है।

इलाके में फैली सनसनी

सफाई कर्मी की गला रेतकर हत्या, खाली मैदान में मिली लाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

भिलाई-3 थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। श्रीराम परिसर के पीछे खाली मैदान में एक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान थिलेश मारकंडे के रूप में हुई है, जो नगर निगम में चतुर्थ श्रेणी के सफाई कर्मी के तौर पर कार्यरत था। खून से सना शव देखकर क्षेत्र में सनसनी फैल गई और ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

फिलहाल पुलिस मामला दर्ज का विवेचना कर रही है। सीएसपी छावनी हरीश पाटिल, क्राइम डीएसपी अजय सिंह और भिलाई-3 थाना प्रभारी अंबर सिंह भारद्वाज ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। फॉरेंसिक टीम ने मैदान से खून के नमूने और अन्य साक्ष्य जुटाए। शव की स्थिति देखकर प्रथम दृष्टया यह स्पष्ट हुआ कि युवक की गला रेतकर धारदार हथियार से हत्या की गई है।मृतक के भाई ने बताया कि थिलेश पिछले दो दिनों से बाहर जाने की बात कर रहा था और बिना कपड़े के ही घर से निकल गया था।

परिजन रातभर उसकी तलाश करते रहे, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। अंततः गुरुवार सुबह उसका शव खाली मैदान में मिला।छावनी सीएसपी हरीश पाटिल ने बताया कि हत्या की जांच को गंभीरता से लिया गया है। तकनीकी टीमों की मदद से अपराधियों की तलाश की जा रही है।

आधा किलोमीटर दूर मिला मोबाइल

पुलिस को मृतक का मोबाइल घटना स्थल से करीब आधा किलोमीटर दूर मिला है। मोबाइल को जप्त करके उसे जांच के लिए भेजा गया है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। खबर लिखे जाने तक कातिल को कोई सुराग पता नहीं चला है।

रूबीस एजुकेशन का NEET-JEE में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

वर्ष 2025 की बोर्ड परीक्षाओं में संस्था की अयाती बिजुरिया ने XII - CBSE में 98.2% प्राप्त कर संपूर्ण छत्तीसगढ़ में द्वितीय स्थान प्राप्त किया, सिमोन बगारिया ने XII में 96.8% तथा NEET 2025 में 602 अंक प्राप्त कर छत्तीसगढ़ में तीसरा तथा ऑल इंडिया रैंक 1239 प्राप्त किया। JEE में सफल हुए विशाल, पुष्पांजली और 11 अन्य के साथ साथ, नीट 2025 में नमन, भूमि साहू, मीनाक्षी ध्रुव, आस्था, वीणा साहू सहित 27 विद्यार्थी चयनित हो चुके है। सलीम सर के फिजिक्स अध्यापन से सैंकडो विद्यार्थी लाभन्वित हो चुके है। अब हमारी टीम में डॉ. रवि देशमुख (बॉयोलॉजी) तथा रोहित निरंजन (केमिस्ट्री) भी अध्यापन करा रहे है। **छत्तीसगढ़ की सर्वश्रेष्ठ अध्यापन टीम।**

ड्रॉपर बैचस हिन्दी व अंग्रेजी मीडियम में प्रवेश प्रारंभ है।

Shop-254, Sector-10, Zonal Mkt, Sec-10, Bhilai, C.G
Mob. : 9425565777, 9039800929

शिवोहम शिवमहापुराण कथा का पहला दिन...

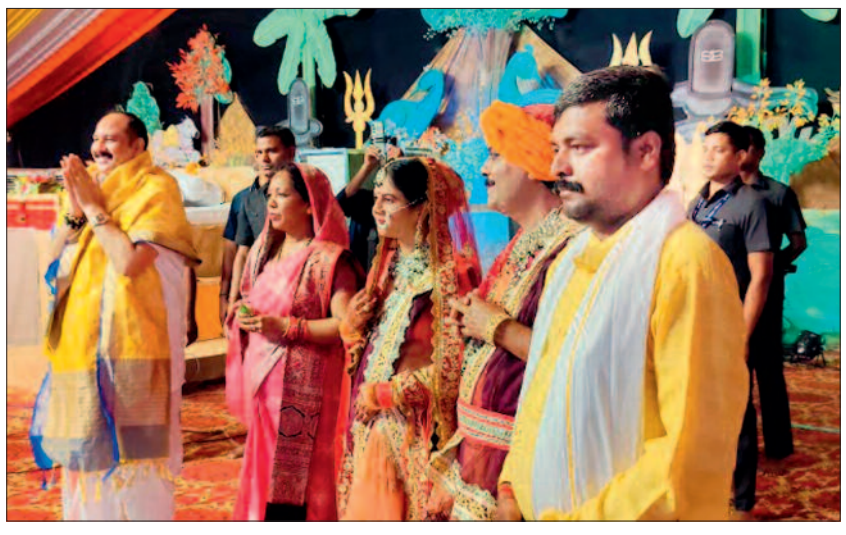

भिलाई। निकुम में शिवोहम शिवमहापुराण कथा के पहले दिन गुरुवार को अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा को सुनने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की धर्मपत्नी कौशल्यादेवी साय पहुंची। उन्होने शिवभक्तों के अपार जनसमूह का अभिवादन किया और कथावाचक पं. मिश्रा की सराहना की। इस मौके पर आयोजक पूर्व जनपद सदस्य रूपेश देशमुख ने स्वागत किया। पद्मश्री छत्तीसगढ़ के पंथी नृतक डॉ. आरएस बारले की टीम ने पं. मिश्रा का पंथी नृत्य से स्वागत किया।

(विस्तृत समाचार पेज नंबर-3 पर पढ़ें)

सरकारी जगह पर किया था पक्का निर्माण

उत्तर गंगोत्री, सुपेला थाने के पीछे और नेहरू नगर क्षेत्र में निगम ने तोड़ा कब्जा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

राधिका नगर, नेहरू नगर पूर्व एवं उत्तर गंगोत्री के सतनाम भवन में दुकान बनाकर अवैध कब्जा किया जा रहा था। जैसे ही आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय को शिकायत मिली तत्काल जोन आयुक्त जोन सहायक राजस्व अधिकारी अजय शुक्ला को मौके का निरीक्षण कर कार्यवाही करने निर्देशित किये। जोन एक राजस्व विभाग की टीम द्वारा मौके पर पहुंच कर अवैध निर्माण को ध्वस्त कराकर जगह रिक्त कराने की कार्यवाही की गई। इसी तरह सुपेला थाना के पीछे एस एल आर एम सेंटर के समीप रिक्त भूमि पर विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा अवैध कब्जा करने की नियत से बोर्ड और सीमेंट पोल लगाए थे, जिसे जोन राजस्व टीम द्वारा हटाकर जप्ती बनाया गया। नेहरू नगर पूर्व मंगल भवन

एसटीपीआई आफिस के पास अवैध कब्जा कर गैरेज बनाया जा रहा था, वहां मौके पर पहुंचकर काम को बंद करवाया गया और निर्माण को तोड़वाकर सभी सामान को जप्ती बनाया गया। कार्यवाही के दौरान उप निरीक्षक विनोद शुक्ला, नंदू सिंह एवं तोड़फोड़ दस्ता प्रभारी हरिओम गुप्ता अपने दल के साथ उपस्थित रहे।

सस्ता सस्ता सस्ता

न्यु ओम ज्वेलर्स

शादी ब्याह में दुल्हनों के लिए एक से एक सुंदर वेरायटी के गहने उपलब्ध

जितने ग्राम सोना लेने पर उतने ही ग्राम की चांदी बिल्कुल फ्री

916 (22K), 833 (20K), 75 (18K) हॉलमार्क के गहने

अब बिल्कुल सस्ते दामों पर उपलब्ध

आज ही पधारें

सर्टिफाइड राशि रत्न उपलब्ध है

- ★ 100% गारंटी सोना, चांदी, हीरा
- ★ टोटल हाल मार्क जेवर
- ★ स्पेशल पर्स, बैग फ्री
- ★ रिपेयरिंग फ्री

शॉप नं. 64 बी इंदिरा मार्केट, दुर्ग

खबर संक्षेप

सीएम ने नृत्य कलाकार आद्या को किया सम्मानित

भिलाई। छग राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के स्थापना दिवस के अवसर पर रायपुर के पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में भिलाई की प्रतिभाशाली नृत्यांगना आद्या पांडे को भरतनाट्यम में नृत्य में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सीएम विष्णु देव साय ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। बाल आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा भी उपस्थित थीं।आद्या के पिता दिनेश पांडे बीएसपी के मर्चंट मिल विभाग में कार्यरत हैं व सोनिया पांडे गृहिणी हैं।15 वर्षीय आद्या पांडे, डीपीएस रिसाली की 11वीं की छात्रा हैं और में सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा में 93% अंकों प्राप्त हैं। भरतनाट्यम में इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ से डिप्लोमा प्राप्त कर चुकी आद्या को संस्कृति मंत्रालय अंतर्गत सेंटर फॉर कल्चरल रिसोर्सेज एंड ट्रेनिंग (सीसीआरटी) द्वारा जूनियर स्कॉलरशिप के लिए भी चयनित किया गया है।

वार्ड की लाइट नहीं जलने पर प्लेसमेंट कर्मी की पिटाई

दुर्ग। कचहरी वार्ड में बुधवार की रात स्ट्रीट लाइट नही जलने पर वार्ड पार्षद गुलाब वर्मा ने प्लेसमेंट कर्मचारी राहुल साहू की पिटाई कर दी। इस मामले को लेकर दूसरे दिन दिनभर नगरनिगम में बवाल की स्थिति निर्मित रही। इस घटना से आक्रोशित संघ के पदाधिकारी नगरनिगम भी पहुंचे थे, जहां पार्षद के खिलाफ एफआईआर कराए जाने की बात कही। हांलाकि बाद में मामले को लेकर समझौता कर लिया गया।जानकारी अनुसार कचहरी वार्ड में स्ट्रीट लाइट नही जलने को लेकर विवाद हो गया था। नाराज पार्षद ने बीती रात प्लेसमेंट कर्मचारी पर तमतमा गए और पिटाई कर दी। जिसके बाद माहौल गरम हो गया था। इस मामले में स्वायतशाही संघ के राष्ट्रीय महामंत्री संजय मिश्रा ने कहा कि, थोडी कहासुनी हो गई थी। पिटाई करने जैसी कोई बात नही हैं। इस मामले में नगरनिगम आयुक्त सुमीत अग्रवाल से संपर्क किया गया, लेकिन उन्होने फोन रिसिव नही किया।

पिछले चार दिन से हड़ताल के कारण पढ़ाई पहले से ही ठप

शिक्षिका के स्थानांतरण को लेकर बवाल समझाइश के बाद खुला मचांदुर स्कूल

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

ग्राम पंचायत मचांदुर मिडिल स्कूल में पदस्थ एक शिक्षिका का स्थानांतरण कवर्धा के बोडला में किए जाने से वहां के बच्चे नाराज हो गए है। पिछले चार दिन से हड़ताल के चलते स्कूलों की पढ़ाई पूरी तरह ठप रही। हांलाकि उच्च अधिकारियों के समझाईश के बाद गुरूवार से स्कूल का संचालन शुरू हो गया है। नाराज बच्चे और ग्रामीण विगत सोलह जून से प्रदर्शन कर रहे थे। गुंडरदेही विधानसभा से लगे हुए अंतिम छोर के सबसे चर्चित ग्राम पंचायत मचांदुर में विगत चार दिनों से बड़ा बवाल चल रहा है। यहां की शासकीय मिडिल स्कुल मचांदुर में पदस्थ शिक्षिका का स्थानांतरण बोड़ला ब्लाक के शासकीय मिडिल शाला दलदली में युक्तियुक्तकरण के तहत कर दिया गया है। लेकिन स्थानांतरित शिक्षिका खेमलता गोस्वामी मेडकल लेकर अवकाश पर चली गई हैं। दो दिन तक ग्रामीणो व स्कुल के बच्चो ने मिलकर शिक्षिका के स्थानांतरण को रद्द करने को लेकर स्कुल के सामने धरना प्रदर्शन किया। लेकिन शासन से कोई इनकी बात सुनने नही आया।

मुख्यमंत्री के तस्वीर की उतारी आरती

धरना के दूसरे दिन बच्चो ने मुख्यमंत्री के चित्र के सामने आरती उतार कर शिक्षिका को वापस किये जाने की मांग की। लेकिन कोई असर नही पड़ा। ग्रामीणो ने पालको की बैठक लेकर मचांदुर थाना प्रभारी नेमसिंह साहू को मुख्यमंत्री, राज्यपाल व कलेक्टर के नाम का ज्ञापन सौंपकर 18 जून की दोपहर साढे 12 बजे अपनी मांगों को पूरा करने को लेकर मचांदुर स्कुल में तालाबंदी कर दी है।

डीईओ ने बनाई तीन सदस्यीय टीम

स्कूल के दरवाजे में तालाबंदी के बाद नाराज ग्रामीणों ने अन्य स्टाफ के प्रवेश पर भी प्रतिबंध लगा दिया था। स्टाफ ने इसकी जानकारी जिला शिक्षा अधिकारी को दी। जिसके बाद डीईओ ने तीन सदस्यीय टीम का गठन कर मौके पर भेजा गया। इस दौरान डीएमसी सुरेन्द्र पांडेय, सहायक संचालक गौरव शुक्ला और जे मनहरण पहुंचे थे। उन्होने युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया की जानकारी दी। ग्राम पंचायत मचांदुर के सरपंच व दुर्ग ब्लाक सरपच संघ के अध्यक्ष युगल किशोर साहू धरना स्थल पर सैकड़ो ग्रामीणो के साथ पहुँच गए। हांलाकि अफसरों के समझाईश के बाद स्कूल के दरवाजे खोल दिए गए।

स्कूल खुला

शिक्षिका के स्थानांतरण से बच्चों के नाराज होने की जानकारी मिली थी। क्योकि युक्तियुक्तरण शासन के निर्देश है। टीम ने समझाईश दी, जिसके बाद स्कूल गुरूवार से संचालित हो रहे हैं।

-**अरविंद मिश्रा,** डीईओ दुर्ग

पढ़ाई से प्रभावित

स्कूल में शिक्षिका के अध्यापन से बच्चे प्रभावित थे। शिक्षिका कार्य अच्छा होने के कारण बच्चे भावुक हो गए थे, बच्चे उन्हें उसी स्कूल में रखने की मांग कर रहे थे। मैने वहां स्टाफ से भी चर्चा की थी।

-**राकेश हिरवानी,** उपाध्यक्ष जनपद दुर्ग

ओपन एयर थिएटर में अब संगीत नहीं छलक रहे जाम

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

■ उपेक्षा से हुआ जर्जर और अराजक तत्वों का बना अड्डा

टाउनशिप के सबसे पुराने और बड़े आयोजन केंद्र सिविकसेंटर स्थित ओपन एयर थिएटर उपेक्षित पड़ा है। जहां कभी रंगारंग आयोजनों की रौनक होती थी, अब आसपास शाम होते ही अराजक तत्व जाम छलका रहे हैं।

थिएटर की अनदेखी से विविध कार्यक्रमों के लिए संगठनों के साथ कलाकारों को भी परेशानी हो रही है। इस मामले में बीएसपी प्रबंधन उदासीन बना हुआ है। शहर के मध्य में स्थित ओपन एयर थिएटर पिछले कई साल से उपेक्षा का दंश झेल रहा है। मंच टूटफूट चुका है और दर्शक दीर्घा सहित आसपास भारी अस्वच्छता व गंदगी का माहौल है। सूनसान होने से अराजक व असामाजिक तत्वों का अड्डा बनकर रह गया है। व्यवसायियों ने बताया कि बीएसपी द्वारा ओपन एयर थिएटर का निर्माण 50 साल पूर्व सांस्कृतिक आयोजनों के लिए किया गया था। चार पांच साल पूर्व तक यहां कम होते आयोजनों का सिलसिला बना हुआ था। लेकिन इस दौरान कार्यक्रम नहीं होने से यह ओपन थिएटर जर्जर हो चुका है। पक्के मंच व दीवारों का प्लास्टर उखड़ चुका है। शेड भी टूट चुका है। कलाकारों का मेकअप व ग्रीनरुप कबाड़ हो हो गया है। लोहे की बैंच की दर्शक दीर्घा तक चारों ओर झाड़ियां, गाजर घास आदि खरपतवार फैले हुए हैं। चौपाटी की गंदगी व खाने पीने का बदबूदार पानी थिएटर के निकट नाली के रुप में बह रहा है। क्षेत्रवासियों ने बताया कि दिन में और शाम होते ही अराजक तत्व यहां बैठकर शराबनोशी के साथ गांजा बीत रहते हैं। आवारा लड़के लड़कियों का भी जमावड़ा लगा रहता है। बीएसपी द्वारा इसे रिनोवेट कर सफाई व मेंटेनेंस की जरुरत है।

कई यादगार आयोजन हुए

ऐतिहासिक ओपन एयर थिएटर पिछले पचास साल के दौरान कई बड़े व यादगार सांस्कृतिक आयोजनों के साथ दिग्गज राजनीतिज्ञों की सभाओं का भी गवाह रहा है। यहां हर साल गणतंत्र दिवस व सेल डे पर अभा कवि सम्मेलनों में गीतकार नीरज, इंदीवर, हुल्लड़ मुरादाबादी, शैल चतुर्वेदी, गोपाल ब्यास, जेमिनी हरियाणवी जैसे पचासों नामचीन कवि आ चुके हैं। वहीं गायक शब्बीर कुमार, विनोद राठौर, कंचन, बाबला,अभिनेता तारिक, रजा मुराद आदि कई पार्श्व गायकों के कार्यक्रम हो चुके हैं। पीएम रह चुके वीपी सिंह, अटल बिहारी वाजपेयी, लाल कृष्ण आडवाणी आदि की चुनावी सभाएं व प्रसिद्ध मजदूर नेता शंकर गुहानियोगी की बड़ी रैलियां हो चुकी हैं। इनके अलावा विभिन्न संगठनों के सांस्कृतिक आयोजन भी यहां होते थे।

वन विभाग ने शुरू की तैयारी, फिलहार बारिश का

सड़क किनारे रोपेंगे हर्रा, बेहड़ा व अर्जुन के पेड़, जिले में लगेंगे आठ लाख पौधे

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

फाइल फोटो

बारिश शुरू होने के साथ ही वन विभाग द्वारा जिलेभर में आठ लाख से अधिक पौधे रोपने की तैयारी कर ली हैं। इस बार पथ वृक्षारोपण योजना के तहत सडक किनारे करंज, हर्रा, बेहडा और अर्जुन पेड लगाए जाएंगे। विभिन्न योजनाओं के तहत आठ लाख पौधे लगाए जाने की तैयारी शुरू हो गई हैं। जानकारी अनुसा वन विभाग द्वारा इस बार तेजी से बढने वाले पौधों प्रमुखता से रोपे जाएंगे। ऐसे करीब बीस हजार पौधे की तैयारी की गई हैं। वहीं पथ वृक्षारोपण यानि सडक किनारे 46 हजार पौधे रोपे जाएंगे। वही मिश्रित यानि अलग अलग किस्त के 25 हजार तीन सौ पौधे लगेगें। नदी किनारे 2860 पौधे और मनरेगा के तहत पांच लाख पौधे तैयार किए गए है। जिसे डिमांड के अनुसार भी वितरित किया जाएगा। इसके आलावा किसान मित्र योजना में सवा दो लाख पौधे रोपने की तैयारी हैं। अफसरों ने बताया कि, कैंपा योजना में एक डेढ लाख पौधे लगाए जाएंगे। इस तरह विभिन्न योजना और मद से 875250 पौधे रोपने का टारगेट रखा गया है, वहीं 94910 पौधे विभागीय मद से रोपे जाएंगे।

इस बार पौधा तुंहर द्वार नहीं

हर साल वन विभाग द्वारा पौधा तुंहर द्वार अभियान चलाया जाता था। जिसमें विभाग के वाहन के जरिए मांग किए जाने पर पौधे उपलब्ध कराए जाते थे। इसके लिए बकायदा हेल्पलाइन नंबर भी शुरू किया गया था। यह अभियान पिछले तीन सालों तक चला था। लेकिन इस बार विभाग की ऐसी कोई तैयारी नही दिख रही है।

आडिट का भी है प्रावधान

वन विभाग द्वारा हर साल लाखों पौधे रोपे जाते है। पौधरोपण के आड में मोटी रकम भी खर्च होती है। जबकि पौधरोपण के बाद आडिट किए जाने का नियम हैं। लेकिन वन विभाग पौधरोपण के जांच आडिट नही कराती है। हांलाकि अफसरों का कहना है कि, हर पांच साल में आडिट कराया जाता हैं।

रोपेंगे पौधे: विभिन्न योजनाओं के तहत आठ लाख से अधिक पौधे दुर्ग जिले में रोपे जाएंगे। वहीं विभागीय मद से भी 94 हजार पौधे लगेंगे। अच्छी बारिश होने के बाद जिले में अभियान चलाया जाएगा। -**दीपेश कपिल, डीएफओ दुर्ग**

तुलसी कंपनी के पानी बाटल में मिले कीड़े

दुर्ग। भिलाई के सुपेला स्थित वैक्टेश्वर टॉकिज के सामने स्थित एक चाय नाश्ते की दुकान में तुलसी कंपनी के पानी बाटल में कीडे होने का मामला प्रकाश में आया है। ग्राहक को बोतल बेचने के बाद इस शिकायत से दुकानदार भी हैरान हो गया। उसने तत्काल तुलसी कंपनी के कर्मचारियों से संपर्क कर जानकारी दी, वही इस मामले में भिलाई नगरनिगम आयुक्त से भी शिकायत की गई है। लेकिन अब तक मामले में कोई कार्यवाही नही हुई हैं। ग्राहक ने पीने के लिए तुलसी कंपनी का सीलबंद पानी खरीदा, लेकिन बोतल खोलता उससे पहले उसकी नजर अंदर तैर रहे कीड़े पर पड़ी। जिसके बाद वह दुकानदार से बहस करने लगा तो दुकानदार समसुल हक ने बोतल वापस ले ली और कंपनी को फोन किया। लेकिन कंपनी वाले इस मामले में लीपापोती करने में जुट गए। तभी उसने निगम कमिश्नर राजीव पांडेय के पास इसकी शिकायत की। पानी सप्लाई करने वाली तुलसी कंपनी की कई बार ऐसी शिकायतें सामने आ चुकी है। वही कई बार फूड सेफ्टी ऑफिसर भी वहां पहुंचे, लेकिन बिना कार्रवाई के हमेशा लौट जाते हैं। जिसके बाद अब इस विभाग की कार्यशैली पर भी सवाल उठने लगा है। फिलहाल निगम कमिश्नर राजीव पांडेय ने इस पर जल्द ही कार्रवाई की बात कही है।

44 हितग्राहियों को पीएम आवास, विधायक हुए शामिल

भिलाई। प्रधानमंत्री आवास योजना मोर मकान-मोर आस एवं मोर मकान-मोर चिन्हारी घटक अंतर्गत निर्मित आवासो का आबंटन नगर निगम भिलाई के मुख्य कार्यालय सभागार में खुली लाटरी पद्वति से किया गया। मकान आबंटन वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, एम.आई.सी. सदस्य साकेत चंद्राकर एवं निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय उपस्थिति में 44 हितग्राहियों को शामिल कर लाटरी पद्वति से मकान आबंटित किया गया। मकान आबंटन के दौरान आवास विभाग के नोडल अधिकारी डी.के.वर्मा, उपअभियंता दीपक देवांगन, आवास प्रभारी विद्याधर देवांगन, जोन सहायक राजस्व अधिकारी शरद दुबे, नम्रता सिंह ठाकुर, जागेश्वर साहू, महेत्तर सोनी, थलेश्वर जोशी, सूडा के इंजीनियर आदित्य ठाकुर, उत्पल शर्मा आदि उपस्थित रहे।

मोर संगवारी सेवा घर-घर पहुंचा रही अपनी सेवा

भिलाई। निगम भिलाई अंतर्गत नागरिकों को शासकीय योजनाओं का लाभ देने मोर संगवारी सेवा योजना संचालित है। इस योजना के माध्यम से भिलाई के नागरिक घर बैठे टॉल फ्री नबंर 14545 पर कॉल कर मोर संगवारी के एजेंट से आवश्यकता के अनुरूप प्रमाण पत्र बनवा सकते है। मोर संगवारी सेवा योजना के माध्यम से नागरिको को 27 प्रकार की सुविधाओं का लाभ प्रदान किया जाता है। जैसे विवाह प्रमाण पत्र 2974, मृत्यु प्रमाण पत्र 1580, जन्म प्रमाण पत्र 2492, दुकान एवं स्थापना पंजीयन-गुमस्ता लाइसेंस 355, 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों का आधार पंजीयन 12966,

कुपोषण से सुपोषण की ओर, यक्ष की मुस्कान में

सीएम बाल संदर्थ योजना से कुपोषण की जंग

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

छत्तीसगढ़ में कुपोषण के खिलाफ एक नई क्रांति की शुरुआत हो रही है। भूख और कुपोषण की बेड़ियां टूट रही हैं, और बच्चों की आंखों में उम्मीद की चमक साफ दिखाई दे रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुपोषित छत्तीसगढ़ का सपना अब हकीकत बन रहा है। उनका कहना है, हर बच्चा स्वस्थ हो, यही सच्चा सुशासन है। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में यह संकल्प अब धरातल पर उतर रहा है। दुर्ग जिले की 77 ग्राम पंचायतों को कुपोषण मुक्त बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा गया है। इस दिशा में ग्राम पंचायत करेला (पाटन) की कहानी प्रेरणादायक है। कुछ महीने पहले, करेला के आंगनबाड़ी केंद्र 1 में पंजीकृत बालक यक्ष मध्यम कुपोषण से जूझ रहा था। उसका वजन मात्र 9.8 किलोग्राम था और वह घर का खाना छोड़कर अस्वस्थ पैकेटबंद भोजन पर निर्भर था। मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना के तहत यक्ष का स्वास्थ्य परीक्षण हुआ, जिसने उसके जीवन में बदलाव की शुरुआत की। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता दुर्गेश्वरी वर्मा और पर्यवेक्षक ममता साहू ने यक्ष के माता-पिता को पोषण का महत्व समझाया और घरेलू तरीकों से पौष्टिक भोजन तैयार करने की विधि सिखाई।

आ रही परिजनों में भी जागरुकता

कुपोषण से जंग लडने के बाद सुपोषण के परिणाम ने अन्य परिजनों में विश्वास बिखेर दिया है। इस अभियान को अब जिलेभर के सभी परियोजना में चलाए जाने की तैयारी कर ली गई हैं। सरपंच डां राजेश बंछोर ने कहा यक्ष की कहानी केवल एक बच्चे की नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के उन तमाम बच्चों की है, जिनके लिए शासन की योजनाएं जीवन में नई रोशनी ला रही हैं। कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ का यह अभियान न केवल बच्चों की सेहत सुधार रहा है, बल्कि एक स्वस्थ और समृद्ध भविष्य की नींव भी रख रहा है।

दाल, मूंगफली और गुड़ का सेवन

ग्राम सरपंच डॉ. राजेश बंछोर ने पोषण खजाना योजना के अंतर्गत दाल, गुड़, और मूंगफली जैसी पौष्टिक सामग्री उपलब्ध कराई। जिससे यक्ष की सेहत में अभूतपूर्व बदलाव आया। नियमित आंगनबाड़ी केंद्र में भेजे जाने के बाद यक्ष में खाने की रुचि जागी। समूह भोजन के माहौल, सुबह अंकुरित अनाज, रेडी-टू-ईट पोषण आहार और माँ के स्नेह से तैयार भोजन ने उसकी सेहत को नई दिशा दी। आज यक्ष का वजन बढ़कर 11.5 किलोग्राम और लंबाई 89 सेंटीमीटर हो गई है। वह अब पूरी तरह सुपोषित है।

खबर संक्षेप

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजन 21 को

अंडा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को शांतिवन प्रखर वेलफेयर फाउंडेशन के द्वारा बृहद योग का आयोजन ग्राम पंचायत कुथरेल के चंद्राकर भवन में सुबह 6 बजे से किया जा रहा है। आयोजन को लेकर फाउंडेशन के सदस्य जोर-

शोर से प्रचार में लगे हुए हैं। 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कई बड़े आयोजन प्रशासन स्तर पर होते हैं यह आयोजन प्रायः जिला मुख्यालयों में ज्यादातर होता है जिससे ग्रामीण अंचल के लोग शामिल नहीं हो पाते जिसको ध्यान में रखते हुए फाउंडेशन के द्वारा पिछले वर्ष भी यह आयोजन किया गया था, और इस वर्ष भी योग दिवस पर बड़े आयोजन की तैयारी की जा रही है, जिसमें गांव एवं आसपास के लोगों को ज्यादा से ज्यादा भाग लेने की अपील फाउंडेशन के द्वारा किया गया है।शांतिवन प्रखर वेलफेयर फाउंडेशन के सचिव नागेंद्र चंद्राकर ने बताया कि इस वर्ष योग का कार्यक्रम आर्ट ऑफ लिविंग के योग टीचर प्रदीप चंद्राकर द्वारा कराया जाएगा साथ ही योग को संगीत के साथ करने की तैयारी की जा रही है इसके लिए सोशल मीडिया के साथ गांव के युवा गणमान्य नागरिक एवं जन प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जा रहा है ताकि योग का लाभ सभी को मिल सके।

शिवोहम शिवमहापुराण की कथा : अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा ने कहा

स्वयं में शिव समाया है, उसे ढूंढ़ने की जरूरत

हरिभूमि न्यूज ⏭ निकुम/भिलाई

दुर्ग के निकुम में अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा का पांच दिवसीय शिवमहापुराण कथा गुरुवार को शुरू हुई। उन्होने पहले दिन शवोहम शिवमहापुराण कथा सुनाई।

पं. मिश्रा ने कहा कि शिवोहम का मतलब है कि स्वयं में शिव समाया हुआ है। जैसे नस हमारे शरीर में है बस उसे ढूढ़ने की जरूरत है। इसके लिए हमें संयमित होना पड़ेगा। काम, वासना, आसक्ति, तृष्णा से हमें कसना पड़ेगा, कि ये हमारे भीतर प्रवेश न कर जाए। उसके बाद संत्सग की थप लगाओ और मन को स्थिर कर लो। परमात्मा प्राप्त हो जाता है।

जय महाकाल सेवा समिति द्वारा आयोजित शिव महापुराण कथा के पहले दिन ही सारे पंडाल फुल

शिव महापुराण कथा में झूमते हुए श्रद्धालु।

कथावाचक पं. मिश्रा का छत्तीसगढ़ की पारंपरिक ढंग से आयोजक रूपेश देशमुख ने किया सम्मान।

छत्तीसगढ़ में बरसती है भोले बाबा की कृपा

पं. मिश्रा ने कहा कि छत्तीसगढ वालों को गर्व होना चाहिए। छत्तीसगढ़ में बरसती है भोले बाबा की कृपा। राम का ननिहाल और मां कौशल्या का मायका है छत्तीसगढ़। यहां शिवकथा में लाखों की भीड रहती है और भक्त बड़े ध्यान से कथा श्रवण करते हैं। पं मिश्रा ने कहा कि घर की दीवारों में शुभ लाभ लिखने से काम नहीं चलेगा। सुविचार से ही लाभ की प्राप्ति होगी।

विधायक ललित चंद्राकर व्यासपीठ का पूजन करने पहुंचे।

जो परिवार की परवाह करता है वह जगत में पूज्य हो जाता है

इस संसार में अगर कोई सच्चा और समर्पित परिवार है, तो वह भगवान शिव का परिवार है। भगवान शंकर के पूरे परिवार का पूजन हो रहा है लेकिन बाकी के देवताओं के वंशज हो देखेंगे तो उनके पूजन का क्रम नहीं देख पाएंगे।शास्त्र कहता है कि शिव जी ने अपने पूरे परिवार की परवाह करी। जो जगत में अपने परिवार की परवाह करता है वह संसार में पूज्यमान हो जाता है। उन्होंने श्रोताओं से कहा कि शिव का परिवार ही संपूर्ण ब्रह्मांड को एक सूत्र में बांधने वाला उदाहरण है।जहां एक ओर गणेशजी बुद्धि के प्रतीक हैं, वहीं कार्तिकेय वीरता के, माता पार्वती शक्ति की देवी हैं और स्वयं शिव त्याग व कल्याण के देवता हैं।

सीएम की धर्मपत्नी कौशल्या, विधायक ललित व ताम्रध्वज ने भी कथा सुनी

मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी कौशल्या देवी साय, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर और ताम्रध्वज साहू पूर्व गृह मंत्री कथा सुनने पहुंचे। व्यासपीठ पर जाकर कथावाचक पं. मिश्रा से आशीर्वाद प्राप्त किया।

कथावाचक पं. मिश्रा का संदेश

- आज के समाज में टूटते परिवारों के बीच शिव परिवार हमें एकता, सहनशीलता और प्रेम का संदेश देता है।
- परिवार का मतलब सिर्फ खून का रिश्ता नहीं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव और एक-दूसरे के प्रति कर्तव्य है।
- शिव परिवार हमें सिखाता है कि भिन्नता में भी कैसे समरसता लाई जा सकती है।

ये चार कार्य जिससे जीवन होगा सफल

अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने श्री शिव महापुराण कथा के तहत जीवन में चार कार्य जरूर करने की सीख दी। कहा कि यह करने से ही जीवन सफल होगा। शिव की भक्ति के साथ परमार्थ जरूरी है।

पहला- परमार्थ- बीमार लोगों का इलाज कराएं, जिन्हें अच्छी शिक्षा चाहिए उन्हें पढ़ाएं।

दूसरा- प्रकृति का कर्ज चुकाओ-इंसान प्रकृति का कर्ज चुकाए बगैर चला जाता है। इसलिए पौधे रोपकर उसे वृक्ष बनाओ और कर्ज चुकाओ।

तीसरा- कन्यादान करो- जीवन में बन सके तो एक कन्यादान जरूर करें, बेटियों की मदद कर उन्हें आगे बढ़ाएं, इससे जीवन सफल होगा।

चौथा- शिवालय में सेवा करो- इस पृथ्वी में आए हो तो जीवन में एक बार किसी भी शिवालय में सेवा करोगे तो शिव कृपा करेंगे।

पहले ही दिन श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

पहले दिन ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। यहां आठ पंडाल बनाए गए थे सभी फुल हो गए। अंचल के आसपास से ग्रामीण की भीड़ सबसे ज्यादा दिखी। राजनांदगांव, दुर्ग, भिलाई, बालोद, धमतरी, रायपुर, बेमेतरा, कवर्धा सहित अन्य जिलों से भी भक्तजन यहां पहुंचे हैं। जिसकी वजह से पंडालों में लोगों को जगह नहीं मिल पा रही। दोपहर एक बजे कथा शुरू हुई लेकिन भक्तों का आना दोपहर 2 बजे तक चलता रहा। कथा विराम होने के बाद हर रूट में लाखों शिवभक्त नजर आ रहे। वाहनों की पार्किंग भी फुल रही।

किसानों से ट्रांसफार्मर लगवाने और परमानेंट कनेक्शन के नाम पर लाखों रुपए की ठगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ धमधा

धमधा इन दिनों किसानों को विद्युत विभाग के माध्यम से परमानेंट कनेक्शन और ट्रांसफार्मर लगाने जैसे कई मामलों में ठगा जा रहा है। वहीं ताजा मामला धमधा ब्लॉक के ग्राम कन्हारपुरी और ग्राम करेली के किसानों का है जहां पर एक युवक शुभम मानिकपुरी द्वारा ट्रांसफार्मर लगवाने एवं

- ठगी करने वाले शुभम मानिकपुरी ने खुद को बताया भाजपा का नेता

टेंपरेरी कनेक्शन को परमानेंट कनेक्शन करवाने की बात कह कर सात किसानों से तकरीबन लाखों रुपया और लिया गया। वहीं पीड़ितों ने बताया कि ठगी करने वाला व्यक्ति अपने आपको भाजपा का नेता बता रहा था एवं स्थानीय विधायक के साथ उसके गहरे संबंध भी है करके बखान कर रहा था जिस विश्वास से चलते किसानों ने उसे पैसा दे डाला लेकिन साल बीत गए ना ही ट्रांसफार्मर लगा और ना ही परमानेंट कनेक्शन। पीड़ित किसानों ने अपनी परेशानी मीडिया के माध्यम से प्रशासन को अवगत कराया वही इस मामले से जुड़ी एक वीडियो जिसमें किसानों के बीच बैठा शुभम मानिकपुरी के द्वारा किसानों से पैसा लिया जा रहा है जिसमें शुभम मानिकपुरी के द्वारा पैसा गिनते हुए अपने जेब में रखा जा रहा है और बिजली विभाग में ऊंची पहुंच और सेटिंग का दावा करते हुए तकरीबन साथ किसानों से लाखों रुपया वसूल कर रहा है।

आम जनों के बताएं अनुसार यह शुभम मानिकपुरी पहले भी विद्युत विभाग में कनेक्शन दिलाने, पोल लगवाने, ट्रांसफार्मर लगवाने, मीटर रीडिंग जैसे कार्यों के लिए पैसा लेने में चर्चित रह चुका है। लेकिन प्रशासन की नाकामियों के चलते कभी भी इस तक पहुंच नहीं पाया गया।

वहीं कन्हारपुरी के किसान राजेंद्र साहू ने बताया कि ट्रांसफार्मर लगवाने और अस्थाई कनेक्शन को स्थाई करवाने के लिए मुझसे शुभम मानिकपुरी द्वारा पैसा लिया गया है जिसकी शिकायत उच्च अधिकारियों से की जा रही है। प्रशासन से हमारी मांग है कि तत्काल इस मामले पर फिर कार्यवाही करें। वहीं करेली निवासी किसान ऋषि साहू ने बताया कि मेरे से एवं अन्य 6 किसानों से कनेक्शन के नाम पर शुभम मानिकपुरी द्वारा पैसा लिया गया है जिसकी शिकायत मीडिया एवं उच्च अधिकारी द्वारा की गई है।

चाकू व डंडे से वार कर युवक को उतारा मौत के घाट

हरिभूमि न्यूज ⏭ पाटन

पाटन थाना क्षेत्र के ग्राम लोहरसी में स्थित आंवला बगीचा में आज से करीब चार साल पहले एक युवक की पीटकर और चाकू से हमला कर तीन लोगों ने गंभीर रूप से घायल कर दिया था। जिसका इलाज के दौरान पाटन अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना किया। इस मामले पर अपर सत्र न्यायालय पाटन के न्यायाधीश दुलार सिंह निर्मलकर ने तीनों आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मृतक के परिजन की तरफ से अतिरिक्त शासकीय लोक अभियोजक शेखर वर्मा ने पैरवी की। जानकारी के मुताबिक 22 मई 2022 को पाटन थाना क्षेत्र के ग्राम लोहरसी और रवेली के पास स्थिति आंवला बगीचा में। पुरैना भिलाई 3 निवासी अजय कुमार गौतम को खून से लतपथ पड़े होने की सूचना पुलिस को मिली। पुलिस ने पाटन अस्पताल लाया जहां पर उसका इलाज के दौरान मौत हो गया। इसके बाद पुलिस हत्या सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू किया। कई लोगों से पूछताछ किया। ग्राम पंचायत घुघवा में लगे सीसी टीवी से काफी अहम सुराग मिला। पुलिस इसी सुराग के साथ तह तक पहुंची। परिजनों ने भी कुछ लोगों पर संदिग्ध होने का आरोप लगाए। इसके बाद पुरैना भिलाई 3 के ही रहने वाले नरेंद्र ध्रुव, प्रकाश विश्वकर्मा, अनिल विश्वकर्मा को संदेह के आधार पर हिरासत में लेकर पड़ताल शुरू किया। जिसमें आरोपियों ने अपना अपराध कबूल किया। इस प्रकरण की सुनवाई करते हुए अपर सत्र न्यायाधीश पाटन दुलार सिंह निर्मलकर ने तीनों आरोपियों को आजीवन कारावास तथा अर्थदंड की सजा सुनाई है। मामले में अतिरिक्त लोक अभियोजक शेखर वर्मा ने पैरवी की।

- तीन आरोपी को आजीवन कारावास की सजा

लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आत्म-नियंत्रण का प्रयोग करना चाहिए: दुर्गा

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंडा

जेसीसी क्रिकेट क्लब आमटी आबादी के तत्वावधान में रात्रिकालीन टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रवेश शुल्क 1111 रुपए रखा गया था, जिसमें प्रथम पुरस्कार मोंहलाई 15555 रुपया केशव बंटी हरमुख कोल्हापुरी 36 फुट द्वारा प्रदत्त, द्वितीय पुरस्कार खाड़ा 8888 रुपया गुप्त दान, तृतीय पुरस्कार रनचिराई 5555 रुपया दुर्गापुरुषोत्तम चौधरी सरपंच द्वारा प्रदत्त, चतुर्थ पुरस्कार आमटी 3333 रुपया डॉक्टर तुलाराम साहू उप सरपंच द्वारा प्रदान किया गया। एवं फाइनल मैच में हैट्रिक छक्का हैट्रिक चौका हैट्रिक विकेट बेस्ट बॉलर बेस्ट कीपर बेस्ट बैट्समैन बेस्ट फील्डर मैन ऑफ़ द सीरीज का आकर्षक पुरस्कार भी रखा गया था।

- रात्रि कालीन टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता आमटी में आयोजित, विजेता बने मोंहलाई

समिति के सदस्य गण गोलू, सोनू पटेल, सोहन पटेल, सुनील साहू, हिमांशु पटेल व चितरंजन साहू व मोहन ठाकुर सहित अन्य ग्रामीण जन उपस्थित थे। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गांव के मुख्या सरपंच दुर्गा पुरूषोत्तम चौधरी ने कहा कि सभी खिलाड़ियों को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी और उनके जोश और मेहनत को सराहा। आपको अपने खेल में अनुशासन और आत्म-नियंत्रण के महत्व को समझना चाहिए। आपको अपने खेल में अनुशासन बनाए रखना चाहिए और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आत्म-नियंत्रण का प्रयोग करना चाहिए।मैं आप सभी से आग्रह करती हूँ कि आप अपने खेल में निष्ठा, समर्पण, टीम वर्क, अनुशासन, और आत्म-नियंत्रण के साथ काम करें। आप अपने खेल में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं।

नवप्रवेशी बच्चों को खिलाया मिठा, दिया गणवेश

पाटन। ग्राम पंचायत पंदर मिडिल एवं प्रायमरी स्कूल में शाला प्रवेश उत्सव का कार्यक्रम रखा गया था। नवप्रवेशी बच्चो का मुँह मीठा कर

नए कपड़े वितरण करकें शाला प्रवेश करवाया। जिसमें ग्राम पंचायत पंदर के उपसरपंच आकाश कश्यप, शाला विकास समिति के अध्यक्ष शिव प्रसाद वर्मा, राजेश्वरी वर्मा, भानुलता बारले सहित ग्रामीण जन उपस्थित थे साथ ही सुनील वर्मा के द्वारा न्योता भोज का कार्यक्रम रखा गया था जिसमें नवप्रवेशी बच्चे न्योता भोज पाकर उनके चेहरे में खुशी की लहर दौड़ पड़ी।

राहुल गांधी के जन्मदिन के पर सरकारी अस्पताल में फल वितरण

उतई। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष और रायबरेली सांसद राहुल गांधी की जन्मदिन 19 जून को कांग्रेसजनों द्वारा सादगी और सेवाभाव से मनाया गया। इस अवसर पर नगर कांग्रेस कमेटी के सदस्य उपस्थित थे। इस सेवा कार्यक्रम का उद्देश्य अस्पताल के मरीजों के प्रति सम्मान और सहयोग का भाव प्रदर्शित करना है।

इसी सेवाभाव के उद्देश्य से सरकारी अस्पताल के मरीजों को फल व बिस्किट वितरण करके उनका हालचाल जाना व उनके स्वास्थ्य लाभ के लिए अस्पताल प्रबंधन को निवेदन किया। इस अवसर पर नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बहादुर सिंह नेताम, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष डिकेन्द्र हिरवानी, वार्ड क्रमांक 3

के पार्षद राकेश साहू, वार्ड 9 के पार्षद व नेता प्रतिपक्ष नगर पंचायत उतई द्वारिका साहू, पूर्व पार्षद प्रहलाद वर्मा, सुरता सिंह, गुलशन शर्मा, धनंजय नेताम, टीकम डोण्डे, मुकेश साहू, तोरण ठाकुर, विनोद सोनी, आशीष रावत, व अन्य लोग उपस्थित थे।

आंगनबाड़ी केंद्र में हुआ गोदभराई कार्यक्रम

पाटन। आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 4 में गुरुवार को गोदभराई कार्यक्रम आयोजित हुआ और वॉर्ड क्रमांक 6 के पार्षद अनीता सरजू साहू द्वारा आंगन बाड़ी केंद्र को 4 नग कुर्सी वितरण किया गया है। अनिता साहू के कामों को देख कर वार्ड के लोग खुशी जाहिर करते हैं चाहे दुख सुख में खड़े रहते हैं। कहीं वार्ड में भ्रम तो कहीं स्कूलों में बच्चों को कापी, पेंसिल वितरण तो गरीबों के साथ ये पार्षद के कामों को देखकर पूरे मोहल्ले में चर्चा रहती है। पार्षद अनीता सरजू साहू, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शिव कुमारी भोई, सहायिका हीरा कुमारी देवांगन, आरती छेदइया मितानिन, रेखा यादव, विमला विश्वकर्मा, निर्मला यादव, प्रमिला यादव, रोमा नेताम, बबली, जाम बाई नेताम उपस्थित थे।

समाज के महाधिवेशन में अनेक प्रकरण का किया निपटारा

झेरिया धोबी समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों ने दिया परिचय

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंडा

ग्राम टेकारी में झेरिया धोबी समाज का महाधिवेशन पूर्व विधायक देवजी भाई पटेल के मुख्य आतिथ्य, प्रदेश अध्यक्ष सूरज निर्मलकर की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि देवजी भाई पटेल का रजक ताज से अभिनंदन किया गया। महाधिवेशन में कूंरा राज धरसीवां परिक्षेत्र के प्रत्येक गांव के समाज जन के अलावा बालोद जिला गुरुर राज के अध्यक्ष जगजीवन निर्मलकर, राजनांदगांव जिला अध्यक्ष चैतराम निर्मलकर, दुर्ग जिला संगठन प्रभारी नकुल निर्मलकर, बिलासपुर जिला संगठन प्रभारी रामायण रजक, प्रभात सोनछत्र, भागबली निर्मलकर, अध्यक्ष दिनेश निर्मलकर, धमतरी जिला संगठन प्रभारी पंचदेवी निर्मलकर, दुर्ग

जिला अध्यक्ष गोपाल, युवा अध्यक्ष पवन निर्मलकर, गन्नू लाल रजक भिलाई धनेश्वर निर्मलकर महिला विंग के प्रदेश अध्यक्ष मैंना निर्मलकर भिलाई 3 सहित अनेक पदाधिकारी ने उपस्थित होकर अपने विचार रखें।

मुख्य अतिथि ने कहा धोबी समाज की अब ताकत दिखने लगी है जबकि यह समाज केवल सामाजिक प्रकरण के निपटारा में ही व्यस्त रहता था अब एक से बढ़कर एक रचनात्मक आयोजन करने लगे हैं। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष सूरज निर्मलकर की मांग पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल से आग्रह कर सांसद निधि से समाज के भवन परिसर में शौचालय, नलकूप खनन, रसोई कमरा के लिए आवश्यक राशि स्वीकृत करवाने का आश्वासन दिया। उन्होंने सामाजिक न्याय में महिलाओं की भागीदारी, कन्या विवाह के लिए सहायता राशि, दाह संस्कार के लिए सहायता राशि के नियम लागू करने के लिए समाज को बधाई दी। समाज के लोगों ने सत्ता में भागीदारी के लिए बहुसंख्य झेरिया धोबी समाज ने मांग रखी जिसको पटेल ने पार्टी आलाकमान को अवगत कराने के लिए आश्वासन दिया।

इस अवसर पर विवाह योग्य 13 बेटा, 25 बेटियों ने भी परिचय दिया। समाज के समक्ष 18 प्रकरण आए जिसमें 15 प्रकरणों का निपटारा किया गया। महाधिवेशन का संचालन खरोरा राज के उपाध्यक्ष कवि जितला प्रसाद निर्मलकर, कूंरा राज के कोषाध्यक्ष भुवनेश्वर निर्मलकर, लालजी निर्मलकर कर रहे थे। आभार प्रदर्शन अध्यक्ष मंसाराम निर्मलकर ने किया। उक्त जानकारी जिला युवा अध्यक्ष पवन निर्मलकर ने दी।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक सिकोला दुर्ग (छ.ग.)

प्रेस - विज्ञापन

विषयः- स्थलजांच बाबत।

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि तहसीलदार के आ.क्र. 117 दिनांक 03.04.2025 के पालन में ग्राम सिकोला प.ह.न. 17 भूमिस्वामी श्री / श्रीमती दिनेश कुमार सोनी पिता/पति स्व. पन्ना लाल सोनी निवासी गया नगर वार्ड नं. 03 द्वारा आवेदित ग्राम सिकोला स्थित भूमि खसरा नं. 294/50 रकबा 0.110 हे. जिसकी सीमा उत्तर में 60 फीट रास्ता दक्षिण में प्लाट नं. 32 पूर्व में रोड तथा पश्चिम में राजेश कुमार, महेश प्रसाद है। का सीमांकन दिनांक 02-07-2025 को पूर्वान्ह / अपरान्ह 11:00. बजे किया जावेगा कोई भी व्यक्ति जो उक्त खसरा नंबर की भूमि में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष हित रखते हो तो अपने स्वत्व अर्जन के वैध दस्तावेज नक्शा, खसरा ले-आउट तथा रजिस्ट्री प्रतिलिपि सहित मौके पर उपस्थित होकर दावा / आपत्ति पेश कर सकते है। तत् पश्चात आपत्ति मान्य नहीं होगी।

जारी दिनांक- 17/06/2025

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं.-सिकोला

कार्यालय राजस्व निरीक्षक सिकोला दुर्ग (छ.ग.)

प्रेस - विज्ञापन

विषयः- स्थलजांच बाबत।

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि तहसीलदार के आ.क्र. 116 दिनांक 03.04.2025 के पालन में ग्राम सिकोला प.ह.न. 17 भूमिस्वामी श्री / श्रीमती महेश प्रसाद सोनी पिता/पति स्व. पन्ना लाल सोनी निवासी पंचशील नगर, बघेरा द्वारा आवेदित ग्राम सिकोला स्थित भूमि खसरा नं. 294/49 रकबा 0.0110 हे. जिसकी सीमा उत्तर में रोड दक्षिण में प्लाट नं. 32 पूर्व में अकिल अहमद तथा पश्चिम में प्लॉट नं. 23 है। का सीमांकन दिनांक 02-07-2025 को पूर्वान्ह / अपरान्ह ..... बजे किया जावेगा कोई भी व्यक्ति जो उक्त खसरा नंबर की भूमि में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष हित रखते हो तो अपने स्वत्व अर्जन के वैध दस्तावेज नक्शा, खसरा ले-आउट तथा रजिस्ट्री प्रतिलिपि सहित मौके पर उपस्थित होकर दावा / आपत्ति पेश कर सकते है। तत् पश्चात आपत्ति मान्य नहीं होगी।

जारी दिनांक- 17/06/2025

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं.-सिकोला

गुमशुदा

मैं कुलेश्वर साहू पिता पलटूराम साहू उम्र- 38 वर्ष, निवासी- हथखोजपारा उतई, थाना- उतई जिला- दुर्ग मो. नं.- 7470929168

मैं कुलेश्वर साहू हमराह चचेरे भाई लवन कुमार साहू के पिता पलटूराम साहू जो दिनांक 15/10/1993 से घर से बिना बताए कही चला गए हैं जो अभी तक घर वापस नहीं आए हैं और आज तक लापता हैं। मेरे पिता पलटूराम साहू को बहुत खोजने के बाद भी आज दिनांक तक किसी प्रकार का कोई जानकारी प्राप्त नहीं हुई है, तथा पूरे रिश्तेदारों से भी खोज- खबर लिया गया, परंतु मेरे पिता को देखे जाने के संबंध में कोई भी जानकारी नहीं है। मेरी माता सुशीला साहू मजदूरी करती है और अकेले रहती है। इस दो भाई शीतल साहू और मैं कुलेश्वर साहू व एक बहन चित्ररेखा साहू कुल 3 भाई- बहन हैं। बड़े भाई शीतल साहू की अक्टूबर 2016 को मृत्यु हो चुकी है। मेरे द्वारा मेरी माता एवं रिश्तेदारों से पिता के गुमशुदगी संबंधी सूचना प्रकाशित कर थाना उतई में सूचना दर्ज करवाना चाहता हूं' मेरे पिता को गुमे 31 वर्ष से अधिक हो चुका है, अब उनके जीवित रहने की कोई संभावना नहीं है। पिता के नाम ग्राम उतई में आवासीय भूमि है जो शामिलात नाम पर दर्ज है। मैं अपने उपरोक्त कथन के समर्थन में सक्षम अधिकारी के समक्ष यह शपथपत्र प्रस्तुत कर रहा हूं।

कुलेश्वर साहू
पता - हथखोजपारा उतई जिला- दुर्ग (छ.ग.)
मो. न. 7470929168

खबर संक्षेप

इंटर स्टील संयंत्र शतरंज स्पर्धा एक से

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा आगामी 1 जुलाई से तीन दिवसीय स्टील प्लांट्स स्पोर्ट्स बोर्ड-एसपीएसबी अंतर इस्पात संयंत्र शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन भिलाई निवास में किया जा रहा है। प्रतियोगिता के लिए बीएसपी की प्रतिनिधि टीम के गठन के लिए चयन स्पर्धा का आयोजन 20 जून को शाम 6 बजे इस्पात क्लब, सेक्टर-2 में किया जाएगा।

क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग तथा बीएसपी चेस क्लब के तत्वावधान में आयोजित इस स्पर्धा में भाग लेने के लिए वही खिलाड़ी पात्र होंगे जो या तो पूर्व में अंतर इस्पात संयंत्र शतरंज प्रतियोगिता में भाग ले चुके हों या इंटरनेशनल रेटेड खिलाड़ी हों और बीएसपी/माइंस के अधिकारी-कर्मचारी अथवा भिलाई टाउनशिप क्षेत्र के 25 वर्ष से कम आयु के बेरोजगार युवा हों।

इच्छुक प्रतिभागी अपना पंजीयन 20 जून को शाम 4 बजे तक अलंकार भीवगड़े या एसके भगत के पास करा सकते हैं। चयन प्रक्रिया का संचालन बीएसपी चेस क्लब व सेफी अध्यक्ष एनके बंछोर, अंतरराष्ट्रीय आर्बिटर अलंकार भीवगडे और राष्ट्रीय खिलाड़ी एसके भगत करेंगे। प्रभारी उप प्रबंधक अभिजीत भौमिक हैं।

गलत संपत्तिकर स्व-विवरणी भरने पर पांच गुना जुर्माना

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत स्थित भवन/भूमि स्वामियों द्वारा अपने स्वामित्व के भवन/भूमियों पर संपत्तिकर स्व-निर्धारण प्रक्रिया के देय करों की राशि सहित विवरणी जमा की जा रही है। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने निगम द्वारा अधिकृत एजेंसी श्री पब्लिकेशन एण्ड स्टेशनर्स प्राईवेट लिमिटेड को संपत्तिकर एवं अन्य करों की वसूली करने निर्देशित किये है। साथ ही कुछ भवन/भूमि स्वामी द्वारा प्रस्तुत स्व-विवरणी में प्रस्तुत निर्मित क्षेत्र/उपयोग में भिन्नता होने की संभावना बनी है। जिसका पता लगाने जांच समिति का गठन किया गया है। इस हेतु निगम द्वारा भवनों/भूमियों की स्थल पर जाकर सत्यता की जांच की जायेगी।

ई-रिक्शा दौड़ा रहे अनट्रेंड चालक, यातायात नियमों से अनजान

शहर में धड़ल्ले से दौड़ रहे ई रिक्शा, नहीं पढ़ाया जा रहा यातायात का पाठ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

हरिभूमि अभियान

शहर में बेखौफ दौड रही ई रिक्शा को लेकर चालक जरा भी गंभीर नही है। हालात यह हे कि, वे यातायात नियमों से अनजान होकर बेधडक रिक्शा दौडा रहे है। अनट्रैड चालको के चक्कर में सवारियों की जान पर भी आफत बन आई हैं।

ई रिक्शा की घटना लगातार शहर में घट रही है। इसके बाद भी यातयात विभाग गंभीर नही दिख रही है। चालको को यातायात नियमों से भी अवगत नही कराया जा रहा हैं। हरिभूमि ने इसे लेकर शहर के कई ई रिक्शा चालको से जानकारी ली, जिसमें यह बात सामने आई कि, उन्हें यातायात नियमों और संकेतक की भी जानकारी नही हैं। इसके बाद भी सरकारी सिस्टम की कमजोरी के चलते उन्हें बेखौफ ई रिक्शा की स्टेयरिंग दे दी गई हैं। चालको द्वारा ट्रैफिक सिग्नल का भी पालन नही किया जाता हैं। बडी बात यह है कि शहर में लगातार सडक दुर्घटना होने के बाद भी यातायात विभाग इसे अपनी जिम्मेदारी मानकर सडक पर नही उतर रहे है और चालक बेखौफ हो गए है।

बनाएं लाइसेंस

“मैने ई रिक्शा लाइसेंस बनाया है। लेकिन कई ऐसे चालक है, जिन्हे इसकी जानकारी तक नही दी जाती है। चालको को यातायात द्वारा जानकारी दी जानी चाहिए।

संजय कौशल, चालक

दे प्रशिक्षण

“ई रिक्शा चालको को प्रशासन द्वारा न सिर्फ यातायात नियम बल्कि सब्सिडी आदि की जानकारी देनी चाहिए। कुछ लोगों को अभी भी इसकी जानकारी नही हैं।

दिलीप साहू, चालक

जागरूकता अभियान चलाएं

“ई रिक्शा की संख्या बढने के साथ ही यातायात दबाव न बढे, इसे लेकर प्रशासन को ठोस प्लानिंग बनानी चाहिए।

विनोद ताम्रकार, व्यापारी इंदिरा मार्केट

प्रभारी सचिव सुब्रत साहू की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए खुलासा

दुर्ग जिले में जनवरी से जून माह तक 49 मामलों में 231 किलो से ज्यादा गांजा जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

जिले में नशीले पदार्थों की तस्करी बढ़ते जा रही है। जिले की समीक्षा बैठक में इसका खुलासा हुआ है। 1 जनवरी से 19 जून 2025 की स्थिति में 49 मामलों में 231 किलो से ज्यादा गांजा जब्त किया गया है। ये गांजा ओडिशा, छत्तीसगढ़ के अलग-अलग स्थानों से पहुंचा। जिला स्तरीय समिति नारकोटिक्स की बैठक जिले के प्रभारी सचिव सुब्रत साहू की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में इस पूरे मामले का खुलासा हुआ है। इस बैठक में कलेक्टर अभिजीत सिंह, पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल सहित खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, आबकारी विभाग, समाज कल्याण विभाग, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र विभाग और वन विभाग के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। बैठक में सुब्रत साहू ने पुलिस अधीक्षक से 1 जनवरी 2025 से 19 जून 2025 तक नारकोटिक्स एक्ट के तहत की गई कार्रवाई की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि इस दौरान 49 प्रकरण दर्ज किए गए और विभिन्न मादक पदार्थों गांजा 231.745 किग्रा, नशीली दवा 55182 नग, हेरोइन 306.29 ग्राम, ब्राउन शुगर 2.5 ग्राम की बरामदगी हुई है। साथ ही कोटपा एक्ट के तहत दो स्थानों पर कार्रवाई की गई है। उक्त 49 प्रकरणों में 2 प्रकरण पेट्रोलिंग, चेकिंग के दौरान एवं शेष 47 प्रकरण में मुखबीर की सूचना के आधार पर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

नशीली दवाओं के मामले में भी कार्रवाई

मोहन नगर, सुपेला और छावनी थाने में सबसे ज्यादा मामला

जानकारी के मुताबिक नशे से जुड़े ज्यादातर मामले मोहन नगर थाने, सुपेला और छावनी थाने में दर्ज हुए हैं। मोहन नगर थाना क्षेत्र में ग्रीन चौक, शंकर नगर, आर्य नगर, विजय नगर, जयंती नगर, उरला जैसे क्षेत्रों में नशाखोरी बढ़ी है। इसी प्रकार सुपेला में कोहका क्षेत्र में नशाखोरी के ज्यादातर मामले सामने आए हैं। छावनी क्षेत्र में नंदिनी रोड, कैम्प क्षेत्र शामिल हैं। पुलिस द्वारा इन जगहों पर नियमित रूप से कार्रवाई की जा रही है। नशे के सामान की तस्करी करने वालों की धरपकड़ की जा रही है। इसके लिए अलग से टीम का भी गठन किया गया है। मुखबिरों को भी सक्रिय रखा गया है।

मदाक पदार्थों को जब्त करने बनाई सूची

मादक पदार्थ नष्ट करने हेतु तैयार 53 प्रकरणों की सूची तैयार की गई है। प्रभारी सचिव श्री साहू ने निर्देश दिए कि जब्त मादक पदार्थों का नष्टीकरण तीन से चार महीने में अनिवार्य रूप से किया जाए। उन्होंने नारकोटिक्स एक्ट के मामलों के शीघ्र निपटारे और जब्ती की कार्रवाई को तेज करने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक ने बच्चों के लिए विशेष नशा मुक्ति केंद्र स्थापित करने की आवश्यकता जताई। इस पर साहू ने जिले में संचालित नशा मुक्ति केंद्र में महिला नशा पीड़ति, अवयस्क नशा पीड़ति और बाल नशा पीड़तिं के लिए पृथक-पृथक पुर्नवास व्यवस्था का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।

प्रशासनिक महकमे ने दी रिपोर्ट

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने बताया कि अप्रैल 2024 से मई 2025 के बीच औषधि विक्रय में अनियमितताएं पाई गईं। इस पर 26 फर्मों को नोटिस, 18 के विरुद्ध निलंबन तथा 03 फर्मों के पंजीयन निरस्त किए गए। श्री साहू ने अधिक से अधिक फर्मों के निरीक्षण और बंद फर्मों का पंजीयन समाप्त करने के निर्देश दिए। इस दौरान नशीली दवाओं की बिक्री के मामले में की गई कार्रवाई के बारे में जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि नियमित रूप से जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जा रही है। जब्ती के साथ आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां न्यायालय में मामले विचाराधीन है।

चण्डीधाम करमु में मंदिर का होगा नवनिर्माण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

चंडीधाम करमु में मंदिर निर्माण का भूमिपूजन हुआ। आयोजन में सांसद विजय बघेल प्रमुख रूप से शामिल हुए। इस अवसर पर समिति के व्यास नारायण ने कहा कि चण्डी मंदिर में हमारे बीच दो-दो विजय हैं। साजा विधायक ईश्वर साहू ने कहा कि हम सभी को मां के पास आना है। उनका आशीर्वाद को पाना है। हमें अपने हृदय के कपाट को खोलना है। हमारे छत्तीसगढ़ प्रदेश में विष्णु देव की सरकार है जो प्रदेश के देवताओं के स्थानों के मुफ्त में दर्शन करा रही इस पुनित कार्य में उन्होंने 1.051 लाख की घोषणा की। सांसद विजय बघेल ने कहा कि मां चण्डी मंदिर बहुत ही प्राचीन मंदिर है, जिसे हमारे बुजुर्गो ने सहज कर रखा है। पच्चीस वर्षों से मां के दर्शन करने वे पहुंच रहे हैं। इस मंदिर में एक करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत से नवनिर्माण होना है। मां की भक्ति के साथ देश भक्ति भी जुड़ी रहे, हमें बस देश में भीतरी बहारी को देखना है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि पश्चिम बंगाल में देख लो कमाई कोई करे और कोई खाए, घुसपैठिया खाएं। समाज हमारा मजबूत हो तो देश प्रदेश खुद मजबूत हो जा ये गा । छत्तीसगढ़ में हमारे छत्तीसगढ़ में भी ऐसा काम हो रहा, जो कहीं और देखने को नहीं मिलता। उन्होंने अपनी निधि से 15 लाख की घोषणा की। इस अवसर पर लाभचंद बाफना, जितेंद्र साहू, प्रहलाद रजक, अजय साहू, ओमप्रकाश जोशी, कल्पना योगेश तिवारी, अनिता चंदन अग्रवाल, बंसल अग्रवाल, खुशबू गोविन्द पटेल, परमेश्वर वर्मा, प्रीति गोविन्द पटेल सहित अन्य मौजूद थे।

■ सांसद और उपमुख्यमंत्री ने किया भूमिपूजन

सेल निदेशक व बीएसपी प्रभारी डीआईसी गुप्ता ने भिलाई संयंत्र में परियोजनाओं की समीक्षा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

सेल के निदेशक (तकनीकी, परियोजनाएं और कच्चा माल) और निदेशक प्रभारी अतिरिक्त प्रभार (भिलाई इस्पात संयंत्र) मनीष राज गुप्ता गुरुवार को भिलाई पहुंचे। भिलाई निवास पहुंचने पर उनका स्वागत कार्यपालक निदेशक पवन कुमार व राकेश कुमार ने किया। श्री गुप्ता के साथ उनकी पत्नी कविता गुप्ता भी उपस्थित थीं । श्री गुप्ता ने बीएसपी के मरोदा-1 जलाशय स्थित 15 मेगावाट क्षमता वाले निर्माणाधीन फ्लोटिंग सोलर प्लांट के परियोजना स्थल का निरीक्षण किया। परियोजना की स्थापना से जुड़े तकनीकी पहलुओं की समीक्षा की और विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। ईडी राकेश कुमार, सीजीएम प्रवीण राय भल्ला, राजीव पांडे, वी. वेंकटेशन, जीएम आलोक सिंह सहित बीएसपी अधिकारी उपस्थित थे।श्री गुप्ता को इस परियोजना के तकनीकी विवरण जैसे फ्लोटिंग स्ट्रक्चर की डिज़ाइन, सोलर मॉड्यूल इंस्टॉलेशन तकनीक, केबलिंग सिस्टम, इन्वर्टर सेटअप एवं कंट्रोल रूम संचालन की स्थिति की जानकारी दी गई।

■ कार्यपालक निदेशकों के साथ बैठक में प्रगति की समीक्षा , दिए निर्देश

फ्लोटिंग सोलर प्लांट का निरीक्षण

प्रबंधन ने डायरेक्टर को बताया कि फ्लोटिंग सोलर प्लांट अपने अंतिम चरण में है, जिसका क्रियान्वयन एनटीपीसी-सेल पावर सप्लाई कंपनी लिमिटेड (एनएसपीसीएल) द्वारा किया जा रहा है। यह परियोजना स्थापना के उन्नत चरण में है जिसके जुलाई 2025 तक प्रारंभ किये जाने की संभावना है। डीकार्बोनाइजेशन मे अहम कदम है। इसमें प्रतिवर्ष 33 मिलियन यूनिट हरित ऊर्जा का उत्पादन होने की संभावना है, जिससे प्रतिवर्ष लगभग 22,000 टन कार्बन डाइऑक्साइड की बचत होगी। श्री गुप्ता ने दोपहर में कार्यपालक निदेशकों एवं वरिष्ठ प्रबंधन के अन्य सदस्यों के साथ बैठकें कीं, जिनमें विभिन्न विभागीय परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

तालाबों में उगी जलकुंभी सफाई के साथ निर्माण कार्य का औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई के जोन क्र. 04 शिवाजी नगर क्षेत्रांतर्गत वार्ड क्रं. 40 एवं 41 में मंगल बाजार स्थित पूर्व निर्मित सामुदायिक शौचालय, सामुदायिक भवन एवं डोम शेड का निरीक्षण करने आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, वार्ड पार्षद गिरिजा बंछोर के साथ पहुंचे। दोनो भवन की स्थिति देखरेख के अभाव में ठीक नहीं है, जिसका आवश्यक संधारण कार्य कराने साथ ही डोम शेड निर्माण संबंधी नस्ती का अवलोकन कराने जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे को निर्देशित किये। वही लाईट इंडस्ट्रियल एरिया में रोड साइड नाली के उपर अवैध रूप से अतिक्रमण कर नाली को जाम कर दिया गया है, जिसके कारण पानी का निकासी नहीं हो रहा है। जिसको हटाने की कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है। कुसुम इंडस्ट्री का औचक निरीक्षण किये, जहां नाला का निर्माण किया जाना है और आवश्यक सफाई हेतु निर्देशित किया गया। आयुक्त पाण्डेय, जोन आयुक्त के साथ हथखोज रोड में चल रहे निर्माणाधीन डामरीकरण कार्य का निरीक्षण किये। निर्माणकर्ता एजेंसी को मौसम देखते हुए डामरीकरण का कार्य शीध्र और गुणवत्ता युक्त कराने निर्देशित किये। जोन क्रं. 03 श्याम नगर तालाब मे बीड हार्वेस्टर से चल रहे जलकुंभी सफाई कार्य का अवलोकन पश्चात स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली को अन्य तालाबों की सफाई कराने निर्देशित किये। निरीक्षण के दौरान सहायक अभियंता प्रिया करसे, जोन सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी, बीरेन्द्र बंजारे, सहायक उद्यान अधिकारी संजय शर्मा, जोन स्वच्छता निरीक्षक चुर्णामणी यादव एवं अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

नगर पथ पर भी नागराज...

भिलाई। बारिश के मौसम के दस्तक देते ही टाउनशिप के प्रमुख व्यस्ततम मार्ग सेंट्रल एवेन्यू में भी सांप दिखाई देने लगे हैं।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें- दुर्ग, भिलाई
9300663610, 7489348301

सेल ने भारतीय नौसेना के आईएनएस अर्नाला के लिए विशेष स्टील की आपूर्ति की

भिलाई। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने भारत के पहले स्वदेशी रूप से डिज़ाइन और निर्मित एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट (एसडब्ल्यूवाए-एसडब्ल्यूसी), 'आईएनएस अर्नाला' के लिए विशेष स्टील की पूरी ज़रूरत को किया है। आईएनएस अर्नाला को आज भारतीय नौसेना में शामिल किया गया।

सेल ने गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) द्वारा बनाए जा रहे, अन्य सात एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी कोरवेट के लिए भी विशेष स्टील की पूरी आपूर्ति की है। रक्षा स्वदेशीकरण की दिशा में, भारत के प्रयासों में एक प्रमुख भागीदार के रूप में, सेल ने इस परियोजना के लिए आवश्यक जरूरत की पूरी विशेष स्टील की आपूर्ति की है। यह देश की आत्मनिर्भर देश' की पहल को लागू करने और आयात पर निर्भरता को कम करने में सेल की प्रतिबद्धता दोहराई है।

■ नौसेना के बेड़े में शामिल हुआ वाटर क्राफ्ट

आईएनएस विक्रांत व चिनाब ब्रिज में भी योगदान

गौरतलब हो कि इसके पूर्व भी सेल ने आईएनएस विक्रांत, आईएनएस विंध्यगिरि, आईएनएस नीलगिरी, आईएनएस सूरत जैसी कई बड़ी परियोजनाओं के लिए विशेष स्टील की आपूर्ति की है। दुनिया के सबसे ऊंचे जम्मू-कश्मीर के चिनाब में निर्मित ब्रिज के निर्माण के लिए भी विशेष स्टील भेजा था। इस ब्रिज का निर्माण प्रधानमंत्री मोदी ने किया था।

आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल में सुरक्षा को परखा

ऑक्सीजन प्लांट-2 में लगी आग से कर्मियों को बचाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के ऑक्सीजन प्लांट-2 में आज आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल वैधानिक दिशा-निर्देशों एवं विभागीय प्रोटोकॉल के अनुसार आयोजित की गई, जिसमें संयंत्र के विभिन्न विभागों के बीच आपसी तालमेल और आपात स्थितियों में उनकी क्रियान्वयन क्षमता का मूल्यांकन किया गया।

ऑक्सीजन प्लांट-2 एक अति संवेदनशील क्षेत्र है, जहाँ 2 हजार टन क्षमता वाले दो तरल ऑक्सीजन टैंक स्थित हैं। मॉक ड्रिल में दिखाया गया कि टैंक-2 से जुड़े पंप नंबर-3 में विद्युत फॉल्ट उत्पन्न हो गया है, जिसकी मरम्मत हेतु छह सदस्यीय इलेक्ट्रिकल टीम भेजी गई। इसी बीच पंप नंबर-1 में बेल्ट घर्षण के कारण अचानक आग लग गई, जो लिक्विड ऑक्सीजन के रिसाव के चलते तीव्र हो गई। आग से तीन कर्मचारी कक्ष में फंस गए। उनमें से एक को सहकर्मियों द्वारा सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। साइट इंचार्ज श्री योगेश शर्मा ने शिफ्ट इंचार्ज गौरव चौधरी व विभागाध्यक्ष श्री पी.सी. बाग को जानकारी दी। आपातकालीन सायरन बजने के बाद सुरक्षा टीम ने स्थिति को नियंत्रित किया।

विभागीय टीम का समन्वय

इस अभ्यास में ऑक्सीजन प्लांट-2 से मो.नदीम खान, प्रतिभा ए हरिशचंद्र, रविकांत वर्मा, शक्ति मानिकपुरी, नजीम अंसारी, उमेश मलायथ, अनुपम प्रसन्ना, शिवम, राजेश ठाकुर, एमडी साहू, सहित बीएसपी की सीआईएसएफ यूनिट, अग्निशमन विभाग, सुरक्षा अभियांत्रिकीय विभाग, सिविल डिफेंस, मानव संसाधन, पर्यावरण प्रबंधन और एमएमपी-1 के अधिकारी एवं कर्मचारी सक्रिय रूप से शामिल हुए। सीजीएम जेपी सिंह व जीएम पीसी बाग ने समन्वय और कार्य निष्पादन की सराहना की गई।

हरिभूमि

रायपुर, शुक्रवार 20 जून 2025

लाइव

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

0788- 4091720, Message at 7747020002, 9755819129

लायंस क्लब पिनेकल की...

56 सालों से निकलने वाली रथयात्रा का हुआ क्रमिक विकास- पहले 4 व 6 के बाद अब 8 पहियों के रथ पर महाप्रभु आरुढ़ हो तय करते हैं गुंडिचा मंडप की सात किमी की यात्रा

रथयात्रा महोत्सव का महत्वपूर्ण आयाम है- रथ निर्माण जो शिल्प कौशल एवं भक्ति का अद्भुत संगम साबित हुआ है

इस चराचर जगत में महाप्रभु जगन्नाथ को साक्षात मानकर पूजे जाने की परंपरा पुरी के साथ ही ट्विनसिटी में भी 56 वर्षो से निभाई जा रही है। अंचल में रथयात्रा महोत्सव का महत्वपूर्ण आयाम है रथ निर्माण जो शिल्प कौशल और भक्ति का अद्भुत संगम साबित होता है। रथ यात्रा की तैयारी को लेकर अंचल के सबसे पुराने सेक्टर 4 जगन्नाथ मंदिर समिति से हरिभूमि ने बातचीत की, जो जगन्नाथ पुरी धाम की तर्ज से अभिभूत रहती है।

भिलाई। भिलाई में हर साल पुरी की तर्ज में निकलने वाली रथ यात्रा लाखों लोगो की आस्था का केंद्र रहता है। सेक्टर 4 समिति के महासचिव सत्यवान नायक ने बताया कि यात्रा के शुरुआती दौर में पुरी की मान्यतानुसार 5-6 सालों तक रथ कील व लोहे के उपयोग के बिना चार पहियों की बनाई गई थी तब प्रभु के विग्रह भी छोटे थे। 56 सालों में रथ यात्रा का क्रमिक विकास भी हुआ और महाप्रभु के विग्रह बड़े हुए और रथ के साइज और पहियों में भी बढ़ोत्तरी हुई। चार के बाद छह पहियों का रथ बना और अब सेक्टर 4 से सेक्टर 10 गुंडिचा मंडप की यह 7 किलोमीटर की यात्रा आठ पहियों के मजबूत रथ पर महाप्रभु अपने भाई व बहन से संग आरुढ़ होकर निकलते है। जो लाखों भकतें के आकर्षण का केंद्र रहता है।

दूसरी पीढ़ी कर रही रथ निर्माण कार्य

श्री जगन्नाथ मंदिर सेक्टर-4 के महासचिव श्री सत्यवान नायक, रथ निर्माण का इतिहास बताया। जगन्नाथ मंदिर सेक्टर-4 के तत्वाधान मे भिलाई मे सबसे पहला रथ का निर्माण स्व लव महाराणा द्वारा किया गया। इसी क्रम में आगे के कालखंड में वृंदावन स्वाईं और बाणी चरण बिस्वाल भी रथ निर्माण टीम का हिस्सा बने। लव महाराणा के स्वर्गवास होने के बाद समिति के पदाधिकारी वृंदावन स्वाईं ने रथ निर्माण की कमान संभाली, इसके साथ ही स्व. लव महाराणा के पुत्र निरंजन महाराणा रथ निर्माण के कार्य से जुड़े। वर्तमान में वृंदावन स्वाईं तथा निरंजन महाराणा के देखरेख में रथ निर्माण का कार्य विगत 35 वर्षों से निरंतर किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त रथ निर्माण में सहयोग करने वाले सदस्यों में बाणी चरण बिस्वाल, कवि विश्वाल, रवि स्वाईं, सुभाष पात्रो, प्रकाश स्वाईं, जगन्नाथ पटनायक, रवींद्र महाकुड़ है। श्री नायक ने बताया कि सीमित संसाधनों के बीच पुरी की तर्ज पर भिलाई में प्रत्येक वर्ष नया रथ बनाना तथा तीन रथ निकालना संभव नहीं हो पाता है। इसलिए भिलाई में तीनों देव एक ही रथ में सवार होकर गुंडिचा यात्रा में निकलते हैं। भिलाई ने भी रथ निर्माण के अनेक पड़ाव पार किये हैं। जिसमें पहला रथ चार चक्कों का बनाया गया था। कुछ वर्षों बाद इसे छह चक्कों में परिवर्तित कर दिया गया। वर्तमान में निर्मित रथ आठ चक्कों का बनाया जाता है।

रथ को रस्सी से खींचने के साथ ही बकायदा स्टेरिंग सिस्टम भी

वर्तमान में इस वर्ष रथयात्रा के लिए रथ निर्माण का कार्य प्रगति पर है। महाप्रभु जगन्नाथ की रथयात्रा से पहले महाप्रभु का रथ तैयार हो रहा है। सेक्टर-4 स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर के रथ की बात करें तो यह भक्तों के इनोवेशन का नायाब नमूना है। रस्सी से खींचे जाने वाले इस रथ में बकायदा स्टेरिंग सिस्टम भी बना हुआ है जिसे हाथ और पैर के सहारे उपयोग किया जाता है। इस रथ को समिति के वृंदावन स्वाईं एवं निरंजन महाराणा ने तैयार किया है। बचपन से ही इस मंदिर से जुड़े वृंदावन बताते हैं कि पहले लकड़ी का रथ हुआ करता था, लेकिन अब इसे मोडिफाई कर दिया गया है। इतना ही नहीं रथयात्रा पूरी होने के बाद इस रथ के पूर्जे-पूर्जे अलग हो जाते हैं और एक छोटे से कमरे में सहेज कर रख दिए जाते हैं।

बोरिया हिंगना गांव से हुई थी शुरुआत

आषाढ़ शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि के दिन मनाया जाने वाला विश्व प्रसिद्ध श्री जगन्नाथ रथ यात्रा का प्रमुख आयोजन उड़ीसा के पुरी धाम में होने के साथ ही पूरे देश में रथयात्रा महोत्सव बड़े ही हर्षोल्लाह से मनाया जाता है। इसी क्रम में भिलाई में भी सबसे पुराने रथयात्रा का आयोजन श्री जगन्नाथ मंदिर, सेक्टर-4 में विगत 56 वर्षों से किया जा रहा है। इसकी शुरुआत बोरिया हिंगना गांव से हुई थी, जो वर्तमान में संयंत्र के भीतर बोरिया स्टोर्स के रूप में जाना जाता है। प्लांट के विस्तार के बाद समिति को बोरिया बाजार सेक्टर 4 में स्थान आवंटित किया गया। नए मंदिर के निर्माण के साथ-साथ रथ यात्रा का निर्बाध आयोजन होता रहा।

रथ निर्माण की प्रक्रिया महत्वपूर्ण

रथ यात्रा की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है रथ निर्माण की प्रक्रिया। पुरी में प्रत्येक वर्ष नए रथों का निर्माण किया जाता है। महाप्रभु, बड़े भाई बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा के लिए अलग-अलग तीन रथों का निर्माण किया जाता है। रथ निर्माण की प्रक्रिया में मुख्य रूप से नीम की लकड़ी का उपयोग किया जाता है। रथों के निर्माण में लोहे की कीलों का उपयोग नहीं किया जाता, बल्कि लकड़ी की कीलों और विशेष तकनीकों का उपयोग किया जाता है। इन तीन रथों की अलग-अलग विशेषताएं हैं। तीनों रथ का नाम, उनकी ऊंचाई, इन रथों में लगे चक्कों की संख्या, रथ में लगने वाले कपड़ों का रंग, ध्वजा, रस्सी का नाम, सारथी व रक्षक का नाम भिन्न-भिन्न होता है। तीनों रथ के निकलने का क्रम निर्धारित है। पुरी में रथ यात्रा के दिन सबसे पहले बड़े भाई भगवान श्री बलभद्र देव का रथ निकलता है उसके पश्चात बहन देवी सुभद्रा का रथ निकाला जाता है और सबसे अंत में जगन्नाथ जी का रथ निकाला जाता है।

लाइव इवेंट

एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य पर 20 को योग शिविर, सांसद ने किया पोस्टर का विमोचन

भिलाई। आयुष मंत्रालय एवं इंटरनेशनल नेचरोपैथी ऑर्गेनाइजेशन सूर्या फाउंडेशन के मार्गदर्शन में मोरारजी देसाई योग अनुसंधान केंद्र नई दिल्ली के सहयोग से 11वां विश्व योग दिवस पायनियर स्मारक परिसर सिविक सेंटर में आयोजित है। 21 जून को यह शिविर आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर सांसद, विधायक, महापौर, पार्षद एवं भिलाई इस्पात केंद्र के अधिकारी, खिलाड़ी एनसीसी के कैडेट्स, बीएसएफ, एसएसबी के जवान, स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी, सामाजिक संस्थाओं के योग प्रेमी शामिल होंगे। गुरुवार को सांसद विजय बघेल के निवास सेक्टर 5 में पोस्टर का विमोचन किया गया। संस्था के प्रदेश समन्वयक मनोज ठाकरे ने बताया इस वर्ष योग संगम के माध्यम से थीम एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग पर योग दिवस का आयोजन किया जाएगा। आयोजन को सफल बनाने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा एवं नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव पांडे से सहयोग के लिए मुलाकात की गई। सभी योग साधकों को प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा। योग महोत्सव के सफल बनाने के लिए ममता साहू, किशोर कनोजे, प्रशांत क्षीरसागर, आदित्य टंडन, आशीष गोरहा, अमरनाथ शर्मा जुटे हुए हैं।

वरिष्ठ नागरिक महासंघ ने भूमि आवंटन को लेकर कलेक्टर से की मुलाकात

भिलाई। भिलाई वरिष्ठ नागरिक महासंघ के प्रतिनिधि मंडल ने कलेक्टर अभिजीत सिंह से कलेक्ट्रेट में मुलाकात कर महासंघ के लिए भूमि आवंटन में हो रहे विलंब से अवगत कराया। भूमि आवंटन आदेश तत्काल जारी करने की मांग की। प्रतिनिधि मंडल में भिलाई वरिष्ठ नागरिक महासंघ के प्रमुख सलाहकार घनश्याम कुमार देवांगन, अध्यक्ष पुरुषोत्तम साहू, महासचिव गजानंद साहू, पूर्व क्रेडा सदस्य विजय साहू आदि शामिल थे। प्रतिनिधि मंडल ने कलेक्टर को अवगत कराया कि महासंघ के द्वारा भूमि आवंटन संबंधी सभी आवश्यक दस्तावेज एवं प्रक्रियाएं पूरी की जा चुकी है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के कार्यालय से आदेश जारी करने में विलम्ब हो रहा है। छत्तीसगढ़ शासन के सुशासन तिहार में भी इसके त्वरित निराकरण हेतु आवेदन दिया गया था, लेकिन समाधान नहीं हुआ।

बेटियों ने कराटे में लहराया परचम , दिलाए 4 मेडल

भिलाई। सेक्टर-5 इस्पात क्लब से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहीं 6 बेटियों ने राष्ट्रीय जूनियर और सब जूनियर कराटे चैम्पियनशिप में छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया। यह प्रतियोगिता देहरादून उत्तराखंड में आयोजित की गई थी। इस प्रतियोगिताओं में पुष्पांजलि बंजारे ने काता इवेंट में सिल्वर और कुमीते इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। वहीं बरखा ओरांव ने कुमिते में सिल्वर मेडल जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। राजनी ने ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त कर राज्य को गर्वित किया। इसके अलावा प्रज्ञा बंजारे, खुशी जोशी, सोनी, प्रज्ञा शर्मा और अन्नपूर्णा साहू ने भी अद्भुत प्रदर्शन करते हुए अपना शत-प्रतिशत दिया। ये खिलाड़ी केवल 1 से 2 पॉइंट से पदक से चूक गईं, लेकिन उनके संघर्ष, समर्पण और जुनून ने दर्शकों का दिल जीत लिया। इन सभी खिलाड़ियों की सफलता के पीछे कोच रमेश (वीर हनुमान सिंह पुरस्कार से सम्मानित) और राजेश (पंकज विक्रम पुरस्कार से सम्मानित) का योगदान रहा।

केके गुप्ता बने पेंशनर कल्याण संघ दुर्ग के कार्यकारी अध्यक्ष

दुर्ग। छत्तीसगढ़ प्रगतिशील पेंशनर्स कल्याण संघ दुर्ग के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में जिला अस्पताल के पूर्व सीनियर फिजियोथेरेपिस्ट केके गुप्ता को नियुक्त किया गया है। साथ ही जिला कार्यकारिणी का भी गठन किया गया है। इसमें उपाध्यक्ष एल खान, आरएस उपाध्याय, महामंत्री एसआर दिल्लीवार, सचिव लोकेश शुक्ला, सहसचिव बीडी यादव, कोषाध्यक्ष डॉ. केएल भारती, सहकोषाध्यक्ष घनश्याम तिवारी, संगठन सचिव एसपी साहू, प्रचार सचिव दिनेश शर्मा बनाए गए हैं। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में आरआर तिवारी, लखन सोनी, जयश्री मंड्रिक, दिनेश्वर साहू, टीपी शर्मा ,शिवराम साहू, अशोक शर्मा, मृदुला सैमुअल, एआर साहू, शिवकुमारी दुबे,टीएस नायर,मंजू शर्मा, जितेंद्र जोगवंशी, पुष्पलता द्विवेदी, केशवराम साहू, टीके गौतम शामिल किए गए हैं।

स्कूल जाने के पहले वैदिक परंपरा निभाते हुए 61 बच्चों का हुआ विद्यारंभ संस्कार

दुर्ग। विश्व हिन्दू परिषद मंदिर एवं अर्चक पुरोहित संपर्क विभाग की पहल पर मां चंडिका मंदिर न्यास समिति एवं रमेश चंद्र फाउंडेशन, हेल्पिंग हैंड संस्था के सहयोग से दुर्ग नगर में पहली बार सामूहिक विद्यारंभ संस्कार कराया गया। विद्यारंभ संस्कार में मुख्य रूप से मां चंडिका मंदिर न्यास समिति के व्यवस्थापक पं. जय शर्मा, समाजसेवी डॉ. मानसी गुलाटी, चंडी मंदिर न्यास समिति के ट्रस्टी गिरधर शर्मा, विश्व हिन्दू परिषद् के प्रांत मठ मंदिर प्रमुख डॉ. आचार्य नीलेश शर्मा, मंदिर संरक्षण समिति के अध्यक्ष दिलीप गुप्ता उपस्थित थे। 61 बच्चों का सामूहिक विद्यारंभ संस्कार कराया गया, जिसमें 25 अभिभावक और 61 बच्चे शामिल हुए। पुस्तक, कॉपी, पेन, पेंसिल, कटर, पाठ्य सामग्री, नारियल, मिष्ठान के साथ बच्चों को तिलक लगाकर विद्यारंभ संस्कार कराया गया। डॉ. गुलाटी ने बताया कि

प्राचीन काल से मंदिर संस्कार के प्रमुख केन्द्र रहे हैं। भारतीय संस्कृति के अंतर्गत 16 संस्कारों में से एक विद्यारंभ संस्कार है।

योगार्पण का तीसरा दिन : साध्वी दुर्लभमति ने त्रिवेणी जैन तीर्थ सेक्टर-6 में की धर्मसभा

विश्व शांति के लिए भगवान विमलनाथ का अभिषेक, योगासन एवं प्राणायाम के जरिए तन, मन और आत्मा के बीच संतुलन का कराया अनुभव

कार्नर न्यूज

भिलाई। त्रिवेणी जैन तीर्थ सेक्टर 6 में साध्वी दुर्लभमति के सानिध्य में पांच दिवसीय धर्मसभा का आयोजन किया जा रहा है। गुरुवार को 1008 आदिनाथ भगवान और 1008 विमल नाथ भगवान के मंगल अभिषेक शांति धारा का आयोजन किया गया। साध्वी श्री के अमृत वचनों के बीच शांति धारा का सौभाग्य राजेश पंडित, गौरव बाकलीवाल को मिला। साध्वी श्री ने इसके बाद अपने अमृत वचनों से ध्यान साधना का योग साधना शिविर कराया। इस अवसर पर जैन भवन के प्रांगण में योग प्रशिक्षक कुमकुम जैन ने प्रतिभागियों को नए-नए योगासन एवं प्राणायाम करवा कर तन, मन और आत्मा के बीच संतुलन का अनुभव कराया। आर्यिका 105 दुर्लभमति ने सभी साधकों को णमोकार महामंत्र की महिमा बताते हुए मंत्र के माध्यम से ध्यान केंद्रित करने का अभ्यास करवाया।

विधान पूजन के साथ महिलाएं ने स्थापित किए कलश

इस अवसर पर साध्वी श्री को श्रीफल अर्पण कर विधान मंडप में दीप प्रज्वलित करते हुए महिलाओं के साथ कलश स्थापित किया गया, जहां विश्व शांति के लिए विधान पूजन की गई। जैन युवा संघ के सचिन जैन, ऋषभ, निशांत जैन डिंपी जैन ने बताया कि 20 जून को लेडीज एवं किड्स के लिए जूम्बा सेशन का आयोजन किया गया है। जुम्बा ट्रेनर द्वारा आयोजित किया जाएगा। इस दौरान महिलाएं, बच्चे सहित अन्य इस इवेंट में शामिल हो सकते हैं। इस दौरान हेल्थ से जुड़े टिप्स दिए जाएंगे। समाज के लोग बड़ी संख्या में इस आयोजन में शामिल होंगे।

मोक्ष कल्याण दिवस पर विधि-विधान से मंगल अभिषेक

त्रिवेणी जैन तीर्थ सेक्टर 6 में 1008 विमल नाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक दिवस पर के मंगल अभिषेक किया गया। साध्वी दुर्लभमति ने अपने अमृत वचन ने कहा कि आज अनेक राष्ट्रों के बीच में जो विनाशकारी युद्ध हो रहा है उसको समाप्त करते हुए संसार जगत में सुख शांति अमन जैन का वातावरण निर्मित होना चाहिए। इसके लिए उन्होंने वीर प्रभु से प्रार्थना किया और कहा कि हम सभी संयम के साथ अपना जीवन बिताएं। विश्व शांति के लिए भगवान विमल नाथ की विधान पूजा भक्तों के साथ कराया। इस अवसर पर विधान मंडप में मंगलदीप कलश की स्थापना पारसनाथ दिगंबर जैन सभा के ज्ञानचंद बाकलीवाल, अध्यक्ष प्रशांत जैन, उपाध्यक्ष प्रदीप जैन, भारत जैन, शिपी जैन, प्रवीण छाबड़ा, सोमेश जैन, जिनेंद्र जैन, वरुण जैन मौजूद थे।

सिटी इवेंट

पांच दिवसीय निशुल्क योग शिविर से मिल रहा शारीरिक और मानसिक लाभ

भिलाई। ग्राम उम्दा भिलाई 3 में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 17 से 21 जून तक 5 दिवसीय निःशुल्क योग शिविर का आयोजन किया गया है। यह शिविर छत्तीसगढ़ शासन संचनालय आयुष विभाग रायपुर और जिला आयुष कार्यालय दुर्ग जिला आयुष अधिकारी डॉ दिनेश चंद्रवंशी, आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ पूजा सिन्हा द्वारा निःशुल्क 5 दिवसीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर शासकीय आयुर्वेद औषधालय भिलाई 3 द्वारा ग्राम उम्दा शासकीय प्राथमिक विद्यालय में आयोजित किया गया है, जिसमें योग प्रशिक्षक मेघेश सोनी के द्वारा योग से शारीरिक और मानसिक लाभ बताए जा रहे है। इस अवसर पर पूर्व पार्षद आशीष वर्मा, पार्षद दीप्ति वर्मा द्वारा पौधारोपण भी किया गया। शासकीय प्राथमिक शाला ग्राम उम्दा से शिक्षिका रेखा देवी गर्ग, दिनेश्वरी साहू तथा योग अकादमी से योग शिक्षिका विनीता सोनी सहित स्कूली छात्र और ग्रामवासी उपस्थित रहे।

लाइव इवेंट

अपने अंदर का शिखर पहचाने, उस पर विजय की कोशिश करें: नितिन पण्ड्या

भिलाई। हर विद्यार्थी के अंदर कुछ कर गुजरने की एक लालसा होती है। इस लालसा एक शिखर या पीइक पाइंट जरूर होता है। हर विद्यार्थी को इस शिखर की न केवल पहचान होनी चाहिए बल्कि उस पर विजय प्राप्त करने की पूरी अर्थात 100 प्रतिशत इमानदारी से कोशिश जरूर करनी चाहिये। जैसे किसी भी विद्यार्थी का मेडिकल वर्ल्ड के शिखर या इंजीनियरिंग वर्ल्ड के शिखर पर विजय प्राप्त करने की कोशिश। इस कोशिश को सफलता में परिवर्तित करने हेतु और उचित मार्गदर्शन हेतु एक अच्छे और परामर्शदाता संस्थान की जरूरत होती है। पूरे मध्य भारत में मोशन (कोटा) भिलाई इन दोनों ही क्षेत्रों में एक अच्छी संस्थान या परामर्शदाता के रूप में कार्यरत है। हमारी स्पेशल कैरियर कॉउंसिलिंग टीम आपको मेडिकल या इंजीनियरिंग के शिखर तक के पहुचाने तक की हर चरण की जानकारी पूरे विवरण के साथ स्टेप बाई स्टेप समझायेगी जिससे आपके भविष्य के कैरियर की यात्रा बहुत ही सरल, सुगम और उद्देश्य केंद्रित हो जायेगी। इस प्रकार भविष्य में आपको एक सफल मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रोफेशनल बनने से कोई भी नहीं रोक सकेगा। और अधिक जानकारी हेतु आप न्यू सिविक सेंटर भिलाई स्थित हमारी मोशन शाखा पर संपर्क कर सकते हैं।

सिटी इवेंट

नगपुरा में आरोग्यम उत्सव का आयोजन 22 को, चिकित्सक होंगे सम्मानित

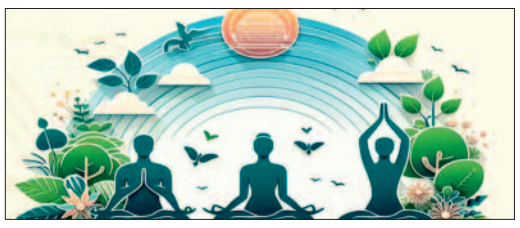

भिलाई। श्री उवसग्गहरं पार्श्व तीर्थ नगपुरा परिसर में प्राकृतिक एवं योग संस्थान आरोग्यम-नगपुरा के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर में आरोग्यम-उत्सव का आयोजन 22 जून की सुबह सवा दस बजे से आरोग्यम सभागृह में आरोग्यम उत्सव आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर श्री महावीर प्राकृतिक योग चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थीयों द्वारा संगीतमय योगासनों का प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक ललित चंद्राकर, दुर्ग विधायक गजेन्द्र यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, जनपद अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन, जिला पंचायत सदस्य प्रिया साहू, नगपुरा सरपंच सरोज रिंगरी, संस्थान के अध्यक्ष गजराज पगारिया, मैनेजिंग ट्रस्टी पुखराज दुग्गड़, संचालक सदस्य जितेन्द्र जैन आयोजन में शामिल होंगे। उत्सव की जानकारी देते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ दानेश्वर टंडन ने बताया कि आरोग्यम-नगपुरा द्वारा हर साल प्राकृतिक एवं योग विधा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले चिकित्सकों को आरोग्यम-रत्न अलंकरण से सम्मानित किया जाता है। वर्ष 2025 आरोग्यम-रत्न अंलकरण के लिए डॉ ज्योति प्रकाश प्रधान बीजापुर, डॉ. पुष्पा ध्रुव कांकेर, डॉ. अवन्तिका नंदा कोरबा, डॉ लेकेश्वर प्रसाद साहू रायपुर, डॉ. मेघनाथ वर्मा एम्स रायपुर, डॉ. पुष्पांजलि ठाकुर बालोद, डॉ. भारती यादव राजनांदगांव एवं संस्थान के भूतपूर्व सेवाभावी चिकित्सक डॉ. हरेन्द्र शाही दुर्ग का चयन किया है। इस उत्सव में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों का भी सम्मान किया जाएगा। उत्सव में पूर्व जनपद अध्यक्ष संतोषी देशमुख, जनपद सदस्य मिलंतीन ठाकुर, नंदकुमार साहू, राजेन्द्र ठाकुर, प्यारीबाई निषाद तथा सरपंच प्रेमीनबाई साहू, कमलनारायण साहू, लक्ष्मी यदु, सलीता साहू, ओमेश्वर (राजू) यादव, गायत्री साहू, सुनीता लहरी, संतोषी साहू, ललिता निषाद, मोतिम निषाद, अनसुईया साहू, निर्मदाबाई ठाकुर, नरेन्द्र निषाद, रामसिंह निषाद, जावंतिन देशमुख, संतोष सारथी को जनसेवाओं के लिए सम्मानित किया जायेगा। आरोग्यम-उत्सव के आयोजन के लिए पूर्व मंडल अध्यक्ष गिरेश साहू, मंडल अध्यक्ष हेमंत सिन्हा, जितेन्द्र गुप्ता, कमला वर्मा, डॉ. आदित्य उपाध्याय, डॉ. दिव्या रात्रे तैयारी में लगे हुए है।

● सुरक्षा, जागरुकता और उपकरणों के दक्ष उपयोग के लिए आयोजित की गई प्रशिक्षण कार्यशाला

फायर सेफ्टी ड्रिल में बताई वाटर-फोम बेस्ड, ड्राई केमिकल पाउडर, CO_2, स्पेशल टाइप और क्लीन एजेंट की उपयोगिता

भिलाई। आग से बचाव के लिए सावधानी जरूरी है। पुलिस महानिरीक्षक रेंज के निर्देशन में अग्नि सुरक्षा को लेकर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। शॉर्ट सर्किट और गैस रिसाव जैसी छोटी-लापरवाही, बड़े अग्निकांड के कारणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। गैस सिलिंडर के जरिए अग्निशमन यंत्र के उपयोग का प्रैक्टिकल डेमो दिया। महानिरीक्षक कार्यालय परिसर में फायर एक्सटिंग्विशर उपयोग एवं अग्नि सुरक्षा जागरूकता संबंधी यह विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। आईजी रामगोपाल गर्ग इस दौरान प्रमुख रूप से मौजूद थे। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य कार्यालयीन कर्मचारियों को आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित और प्रभावशाली ढंग से अग्नि से सुरक्षा हेतु तैयार करना था। इस अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र के अग्निशमन सेवा के स्टेशन ऑफिसर दिनेश कुमार भट्ट एवं उनकी विशेषज्ञ टीम द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान भट्ट ने अग्निशमन यंत्रों की विभिन्न प्रकारों जैसे वाटर बेस्ड, फोम बेस्ड, ड्राई केमिकल पाउडर, कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2), स्पेशल टाइप और क्लीन एजेंट की उपयोगिता, कार्यप्रणाली और उनके वर्गीकरण की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि किस प्रकार की आग पर कौन-सा अग्निशमन यंत्र उपयुक्त होता है। उसका प्रभावी क्रियान्वयन कैसे किया जाए। साथ ही फायर एक्सटिंग्विशर के चयन, रखरखाव, देखभाल एवं सुरक्षा सावधानियों पर विशेष प्रकाश डाला गया, ताकि उपकरण का सही समय पर प्रयोग सुनिश्चित किया जा सके। इस अवसर पर मुख्य रूप से स्टेनो श्रीनिवास राव, उपनिरीक्षक यशवंत सिन्हा, शफीक अहमद, रीडर उपनिरीक्षक राम कुमार प्रधान, प्रशांत कुमार शुक्ला सहित अन्य मौजूद थे।

आत्मरक्षा के साथ दूसरों की सुरक्षा के बारे में भी ट्रेनिंग

आपदा के दौरान किस प्रकार से कार्य किए जाने की जरुरत है, इस बारे में बताया गया। इस प्रशिक्षण से सभी प्रतिभागियों को अग्नि दुर्घटना की स्थिति में आत्मरक्षा एवं दूसरों की सहायता करने की दिशा में महत्वपूर्ण जानकारी एवं आत्मविश्वास प्राप्त हुआ। इस प्रकार की ट्रेनिंग भविष्य में भी समय-समय पर आयोजित की जाएगी, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में कुशलतापूर्वक निपटा जा सके। प्रशिक्षण सत्र के समापन अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज द्वारा फायर स्टेशन ऑफिसर दिनेश कुमार भट्ट को उनकी विशेषज्ञता एवं उत्कृष्ट मार्गदर्शन हेतु सम्मानित भी किया गया।

अग्नि हादसे से निपटने लोगों को जागरूक रहने की सलाह

इस अवसर पर अग्निशमन विभाग ने मॉक ड्रिल के दौरान लोगों को हादसों के दौरान जागरूक रहने की भी सलाह दी। आग लगने की स्थिति में सुरक्षा उपायों को जानना आवश्यक है। साथ ही अग्निशामक यंत्र के सही इस्तेमाल की विधि सिखाना। कार्यक्रम की शुरुआत में अग्निशमन कर्मियों ने आग लगने की नकली घटना का प्रदर्शन किया। बताया गया कि आग लगने पर तुरंत कैसे प्रतिक्रिया दें। आग पर काबू पाने की विधि, आपातकालीन निकासी और बचाव के प्राथमिक उपाय भी दिखाए गए। फायर एक्सटिंगुइशर के इस्तेमाल की पूरी जानकारी दी गई।

तेल, बिजली और लकड़ी में आग लगने पर नियंत्रण के लिए अलग उपकरण

बताया गया कि तेल, बिजली या लकड़ी से लगी आग के लिए अलग-अलग यंत्र होते हैं। कर्मियों ने उपकरण चलाकर दिखाया। लोगों को भी इसका अभ्यास कराया गया। ताकि आपात स्थिति में घबराएं नहीं और सही कदम उठा सकें। फायर सेफ्टी के बारे में जवानों को जानकारी देने के अलावा इसे अन्य लोगों को भी बताए जाने की बात कही गई। आईजी गर्ग ने पुलिस विभाग के जवानों और अधिकारियों को भी फायर सेफ्टी से जुड़ी बारीकियां जानने की नसीहत दी। ताकि आपदा के समय नुकसान को कम किया जा सके, या नियंत्रित किया जा सके।

नए सत्र में होंगे सेवा कार्य...

लायंस क्लब पिनेकल की नई कार्यकारिणी ने सेवाकार्यों की ली शपथ, अंजना बनी अध्यक्ष

भिलाई। लायंस क्लब भिलाई पिनेकल का शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन होटल में किया गया। इस दौरान नई सदस्यों ने सेवा भाव से कार्य करने की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि प्रथम उप जिला गवर्नर एमजेएफ रिपुदमन सिंह पुसरी, उप जिला गवर्नर पवन मलिक, इंस्टालेशन ऑफिसर पीएमजेएफ विभा भूटानी, रीजन चेयरपर्सन राजकुमार शर्मा और जोन चेयरपर्सन सुमन पांडे उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन कर सभी विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया गया। उर्मिला टाओरी ने सभा प्रारम्भ की घोषणा की। इस दौरान मीना सिंह ने ध्वज वंदना और राष्ट्रगान का गाकर कार्यक्रम को गति प्रदान की। इसके बाद निवर्तमान अध्यक्ष उर्मिला टाओरी ने अपना उद्घाटन संदेश पढ़ा और एक वर्ष में उनका समर्थन करने वाले सदस्यों को अध्यक्ष द्वारा पुरस्कार वितरित किया गया। इस अवसर पर शपथ अधिकारी विभा भुटानी द्वारा नए सत्र 2025-26 की कार्यकारिणी को शपथ दिलाई गई। अध्यक्ष अंजना विनायक, सचिव निधि कुमार, कोषाध्यक्ष शोभा जांबुलकर और सह सचिव, सह कोषाध्यक्ष सहित सभी नई कार्यकारिणी ने अपने पद की शपथ ली। नवनिर्वाचित अध्यक्ष

अंजना विनायक द्वारा स्वागत उद्बोधन में सेवा भाव से कार्य करने की बातें कही। उन्होंने आगामी सत्र की नयी कार्य योजना का विवरण भी दिया। नवनिर्वाचित सचिव निधि कुमार और ऊषा चक्रवर्ती द्वारा ई रोस्टर का विमोचन कराया गया। इस दौरान अतिथियों ने अपने उद्बोधन में पिनेकल के कार्यो की सराहना की। आभार नम्रता चाने द्वारा दिया गया। कार्यक्रम का संचालन संध्या अग्रवाल और रेविका बेदी द्वारा किया गया। नए सदस्यों को शपथ सरिता राठौर द्वारा दिलाई गई। शपथ ग्रहण के कार्यक्रम में क्लब के के सभी सदस्य उपस्थित थे।

आयोजन

गोस्वामी समाज का प्रांतीय निर्वाचन 22 को

जुटेंगे प्रदेश भर के महासभा सदस्य

भिलाई। छत्तीसगढ़ सनातन दशनाम गोस्वामी समाज पंजी. क्र. 1657 का प्रांतीय निर्वाचन महादेव घाट रायपुर में रविवार को होगा। समाज की बैठक में निर्वाचन के लिए केशव गिरि रायपुर को मुख्य निर्वाचन अधिकारी बनाया गया है। सहायक निर्वाचन अधिकारी सुशील गिरि आरंग और देवेन्द्र गिरि रायपुर होंगे। निर्वाचन कार्य के सुचारू संचालन के लिए उमेश गिरि दुर्ग एवं मदन गिरि कांकेर को प्रांतीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। निर्वाचन अधिकारी केशव गिरि द्वारा सामाजिक जनों की उपस्थिति में निर्वाचन अधिसूचना के साथ मतदाता सूची का प्रकाशन 15 जून को किया जा चुका है। प्राप्त दावा आपत्ति का निराकरण गुरुवार को किया गया। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 20 जून को होगा। अभ्यर्थियों द्वारा नामांकन 22 जून को सुबह 9 से 11 बजे तक भरे जाएंगे। नाम वापसी उसी दिन 12 बजे तक होगा। अभ्यर्थियों की अंतिम सूची का प्रकाशन दोपहर साढ़े 12 बजे किया जाएगा। दोपहर 1 से 4 बजे तक आवश्यक होने पर मतदान किया जाएगा। मतदान के पश्चात मतगणना व परिणाम की घोषणा कर दी जाएगी। प्रांतीय अध्यक्ष महासचिव एवं कोषाध्यक्ष का निर्वाचन किया जाएगा। तीन वर्षों के लिए चुने जाने वाले निर्वाचन में मतदान की स्थिति आने पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मतदाता पहचान पत्र या अन्य फोटोयुक्त पहचान पत्र दिखाना आवश्यक है। जिलाध्यक्ष धनराज पुरी व प्रवक्ता भारद्वाज गिरि गोस्वामी ने बताया कि दुर्ग जिले से 34 महासभा सदस्य भाग लेंगे।

साहित्यकारों ने की धरसींवा के ग्रामीण अंचल की सद्भावना यात्रा

कार्नर न्यूज

मुस्लिम सरपंच के संकल्प से बना मंदिर सर्वधर्म सहयोग का नजारा है मस्जिद में

भिलाई। लोकमया एवं अगासदिया परिवार के लेखक तथा कलाकारों ने सद्भावना केन्द्रों की यात्रा की। इस दौरान धरसींवां चरोदा के पूर्व सरपंच और प्रख्यात समाज सेवी बाबू खान द्वारा बनवाए गए विष्णु कुंड तथा भव्य शिव मंदिर को लेखकों ने देखा। लेखकों का प्रतिनिधिमंडल सामाजिक सद्भाव की मिसाल ग्राम पंचायत हथबंद के मस्जिद भी गया। इस दौरान लोककला व संस्कृति के प्रति समर्पित लोगों के साथ लेखकों ने मुलाकात भी की। बाल कविताओं के लेखन के लिए चर्चित कमलेश चंद्राकर के नेतृत्व में अगासदिया परिवार के लेखक डॉ. परदेशीराम वर्मा, अशोक आकाश और शायर अब्दुल कलाम साम्प्रदायिक सद्भाव के इन केंद्रों की पर यात्रा पर गए थे।

बाबू खान के संकल्प से बने है विष्णु कुंड और शिव मंदिर

सद्भावना यात्रा से लौटे लेखकों ने बताया कि छत्तीसगढ़ में सद्भाव का एक चर्चित केन्द्र धरसींवां चरोदा में बना विष्णु कुंड तथा भव्य शिव मंदिर है। 1971-72 में धरसींवां चरोदा के तत्कालीन सरपंच समाज सेवी बाबू खान ने इस विराट मंदिर को बनाने का संकल्प लिया। सभी के सहयोग से बाबू खान ने तब चार एकड़ के क्षेत्र में बने इस मंदिर की आधार शिला रखी थी। डा. परदेशीराम वर्मा का कहना है कि यहां बाबू खान का नाम इतना प्रचलित है कि इस मंदिर में जाने वाले लोग रास्ते में पूछते हैं कि बाबू खान का शिव मंदिर किधर है। उन्होंने बताया कि चरोदा में शानदार मस्जिद भी पास ही है। यहां मुस्लिमों की अच्छी खासी संख्या है। इस दौरान लोकमया के कलाकार अलबेला खान तथा भगवती साहू ने बाबू खान और उनके बनाए मंदिर की विस्तार से जानकारी दी।

सर्वधर्म सहयोग से बनाई गई है मस्जिद

लेखकों का प्रतिनिधिमंडल चरोदा के बाद हम हथबंद बस्ती पहुंचा। यहाँ प्रसिद्ध साहित्यकार चोवाराम बादल एवं मुबारक हुसैन ने लेखकों का स्वागत किया। इस छोटे से कस्बे में सभी धर्मों के लोगों के सहयोग से मस्जिद समिति के प्रमुख लेखक मुबारक हुसैन के नेतृत्व में मस्जिद का निर्माण हुआ है। यहाँ के मुसलमान दूसरे कस्बों में नमाज अदा करने जाते थे। तब सरदार खान ने तीन डिसमिल जमीन दान में दी। तब इस मस्जिद के निर्माण को आधार मिला। मुस्लिम इत्तेहाद कमेटी के अध्यक्ष मुबारक हुसैन बनाए गए। क्षेत्र के जनप्रतिनिधि विभिन्न समाजों, भिन्न-भिन्न धर्मों के लोगों ने सहयोग दिया। यह जामा मस्जिद 1996 में पूर्ण रूप से बन पाई। तत्कालीन मंत्री गंगूराम पटेल और मोहम्मद अकबर ने भी इसमें सहयोग दिया। गायत्री परिवार, स्काउट गाइड संगठन का सम्मान मस्जिद में देखते ही बना।

जामा मस्जिद हथबंध के पेश इमाम इनायत खान हैं। वे नाचा के प्रसिद्ध कलाकार रहे। इनायत यहां न सिर्फ नमाज पढ़ा रहे हैं बल्कि मुअज्जिन के तौर पर अजान देने का दायित्व भी निभा रहे हैं। संत पवन दीवान कहते थे कि देश को हम भारत माता कहते हैं और छत्तीसगढ़ को छत्तीसगढ़ महतारी।

विविध

धन संबंधी समस्या से मिलेगा छुटकारा शास्त्रों की बात

शुक्रवार का दिन धन की देवी लक्ष्मी की पूजा के लिए बहुत खास और शुभ है। देवी लक्ष्मी धन-वैभव की देवी हैं। शुक्रवार का दिन माता लक्ष्मी की असीम कृपा पाने के लिए बहुत उत्तम है। इस दिन माता लक्ष्मी की पूरे विधि-विधान से पूजा, व्रत और कुछ खास उपाय करने से धन संबंधी सारी समस्याएं दूर हो जाती हैं। साथ ही जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। ज्योतिष शास्त्र में कुछ ऐसे उपायों के बारे में बताया गया है। जिन्हें शुक्रवार के दिन करने से हर क्षेत्र में सफलता मिलती है। तो आइए जानते हैं, शुक्रवार के दिन किए जाने वाले उपायों के बारे में...

शुक्रवार के उपाय

शुक्रवार की सुबह गुलाबी रंग के कपड़े पहनकर माता लक्ष्मी की पूजा करें। साथ ही उनके मंत्रों और 12 नामों का जाप करें। ऐसा करने से धन संबंधी सारी समस्याएं दूर हो जाती हैं। स्थिर लक्ष्मी की प्राप्ति होती है। दरिद्रता कोसों दूर चली जाती हैं।

श्री लक्ष्मी द्वादश नाम स्तोत्र

ईश्वरीकमला लक्ष्मीश्चलाभूतिर्हरिप्रिया। पद्मा पद्मालया सम्पद् रमा श्रीः पद्मधारिणी।।

द्वादशैतानि नामानि लक्ष्मी संपूज्य यः पठेत। स्थिरा लक्ष्मीर्भवेत्तस्य पुत्रदारादिभिस्सह।।

इस स्तोत्र में देवी लक्ष्मी के 12 नाम बताए गए हैं। ईश्वरी, कमला, लक्ष्मी, चला, भूति, हरिप्रिया, पद्मा, पद्मालया, संपद्, रमा, श्री, पद्मधारिणी। शुक्रवार के दिन सुबह जल्दी उठकर देवी लक्ष्मी और भगवान विष्णु की साथ में पूजा करें और कमल का फूल अर्पित करें। इसके साथ ही एकाक्षी नारियल अर्पित करें। इस उपाय को करने से सभी इच्छाएं पूरी होती हैं। मां लक्ष्मी को सफेद रंग की चीजें बहुत प्रिय हैं। इनका शुक्रवार को दान करने से मां लक्ष्मी की असीम कृपा प्राप्त होती है।

सफेद चीजें दान करें जैसे- दूध से बनी मिठाई, चीनी, दूध, आटा, चावल आदि। मां लक्ष्मी की प्रसन्नता प्राप्त करने के लिए काली चींटियों को चीनी या आटा खिलाएं। किसी जरूरतमंद या गरीब व्यक्ति की मदद करें। शुक्रवार की शाम मां लक्ष्मी को 16 श्रृंगार का सामान अर्पित करें। श्री लक्ष्मी सूक्त का पाठ करें। इस उपाय को करने से धन संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिलता है साथ ही वैवाहिक जीवन में खुशियां बनी रहती हैं।

किस उम्र के बच्चे को कितने घंटे की नींद जरूरी?

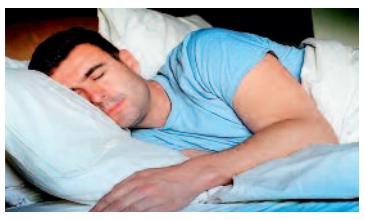

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए दिनचर्या और आहार दोनों को ठीक रखना तो जरूरी है ही, इसके साथ ही जरूरी है रोजाना रात में पर्याप्त नींद लेना। शोध बताते हैं कि जिन लोगों की नींद पूरी नहीं होती है उनमें कई प्रकार की शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा अधिक हो सकता है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी के लिए रात में अच्छी नींद जरूरी है।

अध्ययन बताते हैं कि वयस्कों के लिए रोजाना रात में 6-8 घंटे नींद बहुत जरूरी है। एक दिन भी अगर आपकी नींद पूरी नहीं होती है तो इसका सेहत पर नकारात्मक असर हो सकता है। वयस्कों की ही तरह से बच्चों के लिए भी रात में पर्याप्त नींद जरूरी है, ये उनके शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार के विकास के लिए आवश्यक है।

क्या आपका बच्चा देर रात तक जागता है या दिन में भी थका-थका दिखता है? तो यह संकेत हो सकता है कि उसे पर्याप्त नींद नहीं मिल रही। बच्चों के विकास में नींद की भूमिका उतनी ही अहम है जितनी पोषण और पढ़ाई की।

आइए जानते हैं कि किस उम्र में बच्चों को कितनी नींद की जरूरत होती है?

बच्चों की अच्छी सेहत के लिए अच्छी नींद जरूरी: स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, माता-पिता सुनिश्चित करें कि आपके बच्चों को पर्याप्त नींद मिल रही है। नवजात से लेकर किशोरों तक सभी के लिए ये आवश्यक है। नींद के दौरान शरीर ग्रोथ हार्मोन्स बनाता है, जो हड्डियों, मांसपेशियों और ऊंचाई बढ़ाने में मदद करते हैं। इसके अलावा अच्छी नींद दिमाग को दिनभर सीखी बातों को समझने और याद रखने में मदद करती है।

कुछ शोध ये भी बताते हैं कि पर्याप्त नींद लेने वाले बच्चे कम चिड़चिड़े होते हैं और भावनाएं बेहतर तरीके से संभालते हैं।

नींद पूरी न होने के कई दुष्प्रभाव

जिन बच्चों की नींद पूरी नहीं होती है उनमें कई प्रकार की शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बना रहता है। अगर बच्चे पर्याप्त नींद नहीं ले रहे हैं तो उनका विकास प्रभावित हो सकता है। ग्रोथ हार्मोन की कमी से बच्चे का शारीरिक विकास प्रभावित हो जाता है। इतना ही नहीं आगे चलकर उसकी याददाश्त कमजोर हो सकती है और पढ़ने में ध्यान केंद्रित करना मुश्किल होता है।

समय रहते निरंतर करवाते रहें जरूरी जांच

युवाओं में तेजी के साथ बढ़ रहा हृदय रोग का खतरा लापरवाही बरतने से आपकी जान भी जा सकती है

हृदय रोग दुनिया भर में मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है, और दिल के दौरे इसका एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। वास्तव में, हर साल लाखों लोगों को दिल का दौरा पड़ता है, उनमें से कई बिना किसी पूर्व चेतावनी के। जबकि कुछ दिल के दौरे स्पष्ट लक्षणों के साथ आते हैं, अन्य सूक्ष्म और आसानी से अनदेखा किए जा सकते हैं। दिल के दौरे के चेतावनी संकेतों को समझने से आपको समय पर चिकित्सा सहायता लेने में मदद मिल सकती है, जो संभावित रूप से आपके जीवन को बचा सकता है।

दिल के दौरे के सामान्य चेतावनी संकेत

सीने में दर्द या बेचैनी: सीने में दर्द दिल के दौरे का सबसे जाना-माना लक्षण है, लेकिन इसकी तीव्रता अलग-अलग हो सकती है। दर्द आपके सीने में भारी दबाव, निचोड़ या जकड़न जैसा महसूस हो सकता है। कुछ लोग इसे भरा हुआ महसूस होने के रूप में वर्णित करते हैं, जैसे कि कोई हाथी उनकी छाती पर बैठा हो। दूसरों को तेज या चुभने वाला दर्द हो सकता है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि सीने में दर्द हमेशा गंभीर नहीं हो सकता है, और कुछ लोगों को तीव्र दर्द के बजाय हल्का असुविधा या दबाव हो सकता है।

सांस की तकलीफ: एक और आम लक्षण सांस की तकलीफ़ है, जो सीने में दर्द के साथ या उसके बिना भी हो सकता है। अगर आपको आराम करते समय या हल्की-फुल्की गतिविधियाँ करते समय भी सांस फूलने जैसा महसूस होता है, तो यह इस बात का संकेत हो सकता है कि आपका दिल रुकावट के कारण रक्त को प्रभावी ढंग से पंप नहीं कर रहा है। अगर यह अचानक होता है, खासकर सीने में तकलीफ़ के साथ, तो तुरंत चिकित्सा सहायता लेना जरूरी है।

शरीर के ऊपरी हिस्से में दर्द: दिल का दौरा हमेशा छाती में दर्द के रूप में ही नहीं होता। कभी-कभी, दर्द बाहों, कंधों, गर्दन, जबड़े या पीठ तक फैल सकता है। यही कारण है कि कई लोगों को पहले पता ही नहीं चलता कि उन्हें दिल का दौरा पड़ रहा है। दर्द छाती में शुरू हो सकता है और धीरे-धीरे ऊपरी शरीर के अन्य क्षेत्रों में फैल सकता है। अगर आपको इन क्षेत्रों में कोई अस्पष्ट असुविधा महसूस होती है, खासकर अगर यह सीने में दर्द या सांस की तकलीफ से जुड़ी है, तो इसे अनदेखा न करें।

मतली और चक्कर आना: कुछ लोगों को दिल के दौरे के दौरान मतली, चक्कर आना या बेहोशी का अनुभव होता है। यह महिलाओं में विशेष रूप से आम हो सकता है। मतली पेट में गड़बड़ी की तरह महसूस हो सकती है, और आपको ऐसा महसूस हो सकता है कि आपको उल्टी करने की जरूरत है। मतली के साथ-साथ, चक्कर आना।

एक्सपर्ट व्यू

- डॉ. असलम खान, इन्टरवेन्शन कार्डियोलॉजिस्ट

सवाल : कोई जिम में कसरत करते हुए चल बसा तो कोई शादी में नाचते समय. किसी को खेल मैदान में दिल का दौरा पड़ गया. ये सभी युवा थे. लोगों ने कहा कि अचानक दिल का दौरा पड़ा. आपका इस संबंध में क्या कहना है?

जवाब: पहली बात तो यह है कि अधिकांश युवा यह मानकर चलते हैं कि उनकी लाइफ स्टाइल अच्छी है इसलिए उन्हें हृदय की समस्या नहीं होगी. सीने में भारीपन, असहजता, सांस का फूलना, सीने में दर्द और जलन को वो एसिडिटी समझ कर खुद ही इलाज कर लेते हैं. इसलिए कोई भी लक्षण दिखे तो एक बार इसीजी करवाकर निश्चिंत हो लेना चाहिए. युवाओं में हार्ट अटैक के अलावा पल्मोनरी एम्बोलिज्म (फेफड़े की धमनी में क्लॉट) की समस्या भी देखी जा रही है।

सवाल : क्या युवाओं में दिल का दौरा ज्यादा घातक होता है?

जवाब: ऐसा नहीं है. युवाओं में किसी भी प्रकार की व्याधि से जूझने की ज्यादा क्षमता होती है. यह हो सकता है कि जागरूकता के अभाव में रोगी खुद या उसके साथी उसे अस्पताल ले जाने में देर कर दें और यही देरी मृत्यु का कारण बन जाए. ऐसे भी वीडियो सामने आए हैं जिसमें जिम कोई अचेत होकर गिर जाता है और लोग उसे उठाकर पानी पिलाने की कोशिश करते हैं. इससे रोगी की जान बचाने के लिए महत्वपूर्ण आरंभिक वक्त बेकार चला जाता है और रोगी की मृत्यु हो जाती है।

सवाल : अचानक दौरा पड़ने और मरीज की मृत्यु हो जाने की क्या वजहें हैं?

जवाब: इसे हम सडन डेथ कह सकते हैं. मुख्य कारण तो दिल का दौरा ही होता है पर इसके और भी कारण हो सकते हैं. कुछ रोग वंशानुगत होते हैं. इनमें हाइपरट्रॉफ़िक कार्डियोमायोपैथी एक ऐसा विकार है जिसमें हृदय के निचले कक्षों की दीवारें मोटी और सख्त हो जाती हैं. इसी तरह एरिथमोजेनिक राइट वेंट्रीकुलर कार्डियोमायोपैथी हो सकती है जिसमें हृदय में फैट और स्कार टिशूज बढ़ कर सडन डेथ का कारण बन सकते हैं. इसके अलावा एनामेलस कोरोनरी आर्टीज भी इसका कारण हो सकती है. इसके अलावा इलेक्ट्रोलाइट डिस्टरबेंस हो सकते हैं. पल्मोनरी एम्बोलिज्म के चलते भी रोगी की अचानक से मौत हो सकती है।

सवाल : हृदय रोग के प्रारंभिक लक्षण क्या होते हैं?

जवाब: सांस का फूलना, कमजोरी महसूस होना, सीने में दर्द या जलन जैसी कोई भी मामूली लगने वाला लक्षण हृदय रोग हो सकता है. ऐसे मामलों में हृदय रोग विशेषज्ञ के पास जाकर एक ईसीजी अवश्य कराना चाहिए. नवजात शिशुओं में तथा छोटे बच्चों में भी हृदय विकार हो सकते हैं. नवजात शिशुओं का शरीर नीला पड़ जाना, दूध पीते समय पसीना से तर-बतर हो जाना, खेलने कूदने के साथ सांस फूल जाना , जल्दी थक जाना और सीने में दबाव महसूस करना भी हृदय रोग के लक्षण हो सकते हैं।

सवाल : क्या दवाइयों के कारण भी हृदय संबंधी समस्या हो सकती है?

जवाब: किसी अन्य रोग के लिए दी जा रही कोई दवा भी दिल के कामकाज में दखलअन्दाज़ी कर सकती है. रक्त में पोटेशियम का लेवल बढ़ जाने से भी धड़कनों की रफ्तार कम हो सकती है. इसी तरह बीटा ब्लॉकर दवाओं के कारण भी हार्ट-रेट गिर सकता है. इसे समझकर केवल दवाइयों के फेरबदल से ही समस्या हल की जा सकती है.

सवाल : हृदय रोगियों के लिए मल्टीस्पेशालिटी हॉस्पिटल कैसे सहायक सिद्ध हो सकता है?

जवाब: दिल की बीमारी अपने साथ और भी जटिलताएं लेकर आ सकती हैं. कभी-कभी तो हार्ट प्रॉब्लम किसी और समस्या के लक्षण के रूप में भी सामने आता है. यदि कार्डियोलॉजी के साथ ही न्यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, गैस्ट्रोएंटेरोलोजी जैसे विभाग भी एक ही छत के नीचे उपलब्ध हों तो वहां हृदय रोगों का प्रबंधन बेहतर ढंग से हो सकता है।

अपने हृदय के प्रति रहें सचेत

अपनी जीवन शैली में सुधार करें। सीने में दर्द, जलन की जांच करवाएंतकलीफ होने पर ईसीजी अवश्य करवाएं। अचेत होने पर जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचाएं । जांच में देरी बन सकती है मृत्यु का कारण।साल-छह महीने में अपनी जांच करवाएं।

इन फलों को भूलकर भी न रखें फ्रिज में स्वाद और पोषण दोनों हो सकता है प्रभावित

फल और सब्जियां सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती हैं और इनका सेवन किसी भी रूप में किया जा सकता है। इनका सेवन कच्चा, सलाद, जूस और स्मूदी के रूप में किया जा सकता है। हालांकि, कई लोग फल को लंबे समय तक ताजा बनाए रखने के लिए फ्रिज में रख देते हैं, लेकिन ऐसा करना गलत है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे फल के बारे में बताते हैं, जिन्हें फ्रिज में नहीं रखना चाहिए।

केले: केले एक ऐसा फल है, जिसे ठंडे तापमान में रखने से बचना चाहिए। केले को फ्रिज में रखने से इसका स्वाद बिगड़ सकता है और पोषक तत्व कम हो सकते हैं। इसके अलावा ठंड के कारण केले के छिलके पर काले धब्बे पड़ जाते हैं। ये धब्बे हानिकारक नहीं होते, लेकिन केले की ताजगी खराब कर सकते हैं और खाने की इच्छा कम कर सकते हैं। बेहतर होगा कि आप केले को किसी कमरे के तापमान वाले स्थान पर रखें।

तरबूज: तरबूज को भी फ्रिज में नहीं रखना चाहिए। ठंडा तापमान तरबूज की मिठास को कम कर सकता है और इसका स्वाद बिगड़ सकता है।

इसके अलावा ठंड के कारण तरबूज के गूदे में दरारें पड़ जाती हैं, जिससे उसका रस निकलने लगता है और यह जल्दी खराब हो सकता है। तरबूज को लंबे समय तक ताजा रखने के लिए इसे किसी ठंडी जगह पर रखें ताकि इसका स्वाद और पोषण बरकरार रहे।

पपीता: पपीता को भी फ्रिज में नहीं रखना चाहिए। ठंडा करने से पपीते का स्वाद बिगड़ सकता है और यह जल्दी खराब हो सकता है।

पपीते में मौजूद तत्व भी ठंड के कारण प्रभावित होते हैं, जिससे उसका स्वाद बिगड़ सकता है। इसके अलावा पपीते को फ्रिज में रखने से इसके पोषक तत्व भी कम हो सकते हैं इसलिए पपीते को किसी कमरे के तापमान वाले स्थान पर रखें।

लीची: अगर लीची को फ्रिज में रखा जाए तो इसके कारण लीची का स्वाद और ताजगी दोनों ही बिगड़ जाते हैं। इसके अलावा लीची को फ्रिज में रखने से इसके पोषक तत्व भी कम हो सकते हैं। अगर आप लीची को लंबे समय तक ताजा, स्वादिष्ट और पौष्टिक रखना चाहते हैं तो इसे फ्रिज में रखने की बजाय किसी कमरे के तापमान वाले स्थान पर रखें।

आम: आम को भी ठंडे स्थान पर नहीं रखना चाहिए। ठंडा तापमान आम का स्वाद कम कर सकता है और यह जल्दी खराब हो सकता है।इसके अलावा ठंड के कारण आम के गूदे में दरारें पड़ जाती हैं, जिससे उसका रस निकलने लगता है और वह जल्दी सड़ सकता है।आम को लंबे समय तक ताजा बनाए रखने के लिए इसे घर की किसी ठंडी जगह पर रखें।

मानसून एलर्जी के प्रभाव को कम करने में मदद कर सकते हैं ये घरेलू नुस्खे

मानसून का मौसम एलर्जी से ग्रस्त लोगों के लिए परेशानी का कारण बन सकता है क्योंकि इस दौरान वातावरण में नमी बढ़ जाती है और इस वजह से फफूंद और बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। ये फफूंद और बैक्टीरिया नाक, गले और फेफड़ों में सूजन पैदा कर सकते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप मानसून एलर्जी के प्रभाव को कम कर सकते हैं।

अदरक का करें सेवन

अदरक में सूजन कम करने वाले और कीटाणुनाशक गुण होते हैं, जो मानसून की एलर्जी से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं। इसके लिए रोजाना सुबह खाली पेट एक कप अदरक की चाय पिएं। आप चाहें तो अदरक के टुकड़ों को शहद में डुबोकर भी खा सकते हैं।इसके अलावा आप सूप या सब्जी में अदरक डालकर भी खा सकते हैं। अदरक के सेवन से शरीर में गर्माहट भी बनी रहती है।

हल्दी का इस्तेमाल करें

हल्दी में शरीर की सफाई करने वाले और सूजन कम करने वाले गुण होते हैं, जो मानसून एलर्जी के प्रभाव को कम करने में मदद कर सकते हैं। लाभ के लिए एक गिलास गर्म दूध में आधी चम्मच हल्दी पाउडर मिलाकर पीएं। इसके अलावा आप चाहें तो एक गिलास गर्म पानी में आधी चम्मच हल्दी मिलाकर भी पी सकते हैं। हल्दी का सेवन शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है।

लहसुन का करें सेवन

लहसुन में सूजन कम करने वाले और कीटाणुनाशक गुण होते हैं, जो मानसून एलर्जी से राहत दिलाने में सहायक हो सकते हैं। लाभ के लिए 2-3 लहसुन की कलियों को छीलकर उन्हें कुछ मिनट पानी में भिगो दें।

इंडो-वेस्टर्न स्टाइल आउटफिट्स पहनें तो खूबसूरती के लिए अपनाएं फैशन

आजकल कई महिलाएं इंडो-वेस्टर्न स्टाइल को अपनाकर अपने लुक को खास बना रही हैं। इस स्टाइल में पारंपरिक भारतीय और पश्चिमी फैशन का मेल होता है, जिससे एक अनोखा लुक बनता है। सही एक्सेसरीज का चयन करना इस स्टाइल का एक अहम हिस्सा है। सही एक्सेसरीज न केवल आपके लुक को पूरा करती हैं बल्कि आपको और भी स्टाइलिश बनाती हैं।आइए जानते हैं कि इंडो-वेस्टर्न स्टाइल में कौन-कौन सी एक्सेसरीज पहननी चाहिए।

झुमके: झुमके हर प्रकार के इंडो-वेस्टर्न कपड़ों के साथ अच्छे लगते हैं। ये न केवल आपके चेहरे को अनुकूल बनाते हैं बल्कि आपके पूरे लुक को भी खास बनाते हैं। आप बड़े या छोटे झुमके दोनों ही चुन सकती हैं, बस ध्यान रखें कि आपके कपड़ों के साथ मेल खाएं। अगर आपका पहनावा हल्का है तो बड़े झुमके अच्छे लगेंगे, वहीं भारी कढ़ाई वाले कपड़ों के साथ छोटे झुमके बेहतर दिखेंगे।

चूड़ियां: चूड़ियां इंडो-वेस्टर्न स्टाइल में एक अहम भूमिका निभाती हैं। आप पारंपरिक कांच की चूड़ियों का चयन कर सकती हैं।

कार्नर न्यूज

जूतों से लुक ही नहीं, आत्मविश्वास भी बढ़ता है

जूतों की चमक से पहचानी जाती है शख्सियत आप भी पहनें शानदार व कम्फर्टेबल शूज

पुरुषों के जूते न केवल उनके स्टाइल को दर्शाते हैं, बल्कि उनके व्यक्तित्व को भी उजागर करते हैं। सही जूते चुनने से आपका लुक और आत्मविश्वास दोनों ही बढ़ते हैं। इस लेख में हम आपको पांच जरूरी जूतों के बारे में बताएंगे, जो हर पुरुष की अलमारी में होने चाहिए। इन जूतों को सही समय पर पहनने से आप हर मौके पर सबसे अच्छे दिखेंगे और आरामदायक महसूस करेंगे।

ऑक्सफोर्ड जूते

ऑक्सफोर्ड जूते पारंपरिक और औपचारिक होते हैं। इनकी बंद लेसिंग होती है, जो इन्हें बेहद पेशेवर लुक देती है। इन्हें ऑफिस, शादी या किसी खास मौके पर पहना जा सकता है। इन जूतों को चमड़े से बनाया जाता है, जो इन्हें टिकाऊ बनाता है और इन्हें लंबे समय तक पहनने लायक बनाए रखता है। ऑक्सफोर्ड जूते हर तरह के सूट के साथ अच्छे लगते हैं और आपको एक पेशेवर और आकर्षक रूप देते हैं।

डर्बी जूते

डर्बी जूते ऑक्सफोर्ड की तुलना में थोड़े ढीले होते हैं और इनमें बड़े छेद होते हैं, जिससे ये अधिक आरामदायक महसूस होते हैं। इन्हें रोजमर्रा के उपयोग या किसी अनौपचारिक मौके पर पहना जा सकता है। डर्बी जूते आपको एक स्मार्ट कैजुअल लुक देते हैं, जो किसी भी पोशाक के साथ अच्छे लगते हैं। इनकी डिजाइन साधारण होती है, लेकिन ये आपके लुक को खास बना सकते हैं।

ब्रोग्स

ब्रोग्स खास तरह के जूते होते हैं, जिनमें छेद वाला काम होता है। ये जूते स्टाइलिश दिखने के साथ-साथ आरामदायक भी होते हैं। इन्हें किसी भी अनौपचारिक या सेमी-फॉर्मल मौके पर पहना जा सकता है। ब्रोग्स का छेद वाला काम इन्हें अनोखा रूप देता है, जिससे आपका लुक अलग और आकर्षक लगता है। इनकी डिजाइन इतनी खूबसूरत होती है कि ये किसी भी पोशाक के साथ अच्छे लगते हैं और आपको एक खास अंदाज देते हैं।

लोफर्स

लोफर्स बिना लेस वाले आरामदायक जूते होते हैं, जिन्हें आसानी से पहना जा सकता है। इन्हें रोजमर्रा के कपड़ों के साथ पहना जा सकता है। लोफर्स हर रोजमर्रा के उपयोग के लिए आदर्श होते हैं क्योंकि ये पहनने में आसान और आरामदायक होते हैं। इन्हें आप जींस, चिनोस या किसी भी अनौपचारिक पोशाक के साथ मेल कर सकते हैं। इनकी सादगी और आरामदायक डिजाइन इन्हें खास बनाती है, जिससे आपका लुक भी आकर्षक लगता है।

मोंक स्ट्रैप जूते

मोंक स्ट्रैप बिना लेस वाले जूते होते हैं, जिनमें एक या दो पट्टियां होती हैं, जो उन्हें खास बनाती हैं। इन्हें औपचारिक और सेमी-फॉर्मल दोनों प्रकार की पोशाकों के साथ पहना जा सकता है। इन जूतों की डिजाइन इतनी आकर्षक होती है कि ये किसी भी मौके पर आपका लुक खास बना सकते हैं। इन जूतों को चुनते समय अपने आराम और स्टाइल पर ध्यान दें ताकि हर मौके पर आप सबसे अच्छे दिखें।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

ब्रैट पिट ने खतरनाक स्टंट और स्पीड थ्रिल से उड़ाए होश

ब्रैड पिट की मच अवेटेड फिल्म एफ1 काफी समय से चर्चा में बनी हुई है और फैंस को इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। एफ1 का ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही इसके लिए क्रेज काफी बढ़ गया। यह फिल्म भारत में 25 जून को रिलीज होगी, जबकि अमेरिका में 27 जून को। इसी बीच एफ1 का पहला रिव्यू आ गया है। दरअसल, इस फिल्म को 16 जून को न्यूयॉर्क में प्रीमियर किया गया था, और उसके बाद 'रॉटन टमेटोज' ने इसका रिव्यू रिलीज बताया है। फिल्मों और टीवी शोज की रेटिंग और रिव्यूज बताने वाली साइट रॉटन टोमाटोज के मुताबिक, ब्रैड पिट की एफ 1 को 85% स्कोर मिला है है। जबकि इससे पिछली ब्रैड पिट की फिल्म 'वोलव्स' को 67% स्कोर मिला था। लेकिन एफ 1 को क्रिटिक्स से भी काफी पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है, और वो फिल्म की जमकर तारीफ कर रहे हैं। क्रिटिक्स के मुताबिक, एफ 1 एक ऐसी फिल्म है, जो दर्शकों की थिएटर्स तक खींचने में कामयाब होगी। उन्होंने इसकी तुलना टॉम क्रूज स्टारर 'टॉप गनः मेवरिक' से भी की। 'टॉप गनः मेवरिक' और एफ1 को डायरेक्टर जोसेफ कोसिंस्की ने ही डायरेक्ट किया है। दोनों ही फिल्मों में धुआंधार और खतनाक एक्शन-स्टंट सीन्स हैं। फिल्म क्रिटिक जेक कोयल ने लिखा, 'एक बेहतरीन मूवी, जिसमें सबसे रोमांचक रेसिंग सीन्स हैं और हाई स्पीड है, जो इसे और ग्रैंड बनाती है।' एम्पायर मैगजीन की सोफी बुचर ने जोसेफ कोसिंस्की बधाई देते हुए लिखा, जोसेफ कोसिंस्की ने फिर कर दिखाया। एक और क्रिटिक ने लिखा है, यह हर तरह से बेहतरीन है।

टॉलीवुड

यश ने प्रेग्नेंट कियारा के लिए शूटिंग शेड्यूल को मुंबई में किया शिफ्ट

यश और कियारा आडवाणी अगली फिल्म 'टॉक्सिक' में साथ नजर आ रहे हैं। इस वक्त इसी फिल्म की शूटिंग को लेकर यश चर्चा में हैं। दरअसल, यश ने अपनी फिल्म की को-स्टार और प्रेग्नेंट कियारा आडवाणी का ध्यान रखते हुए एक बड़ा कदम उठाया है और एक्टर के इसी जेस्चर की जमकर तारीफ हो रही है। फिल्म की शूटिंग अभी चल रही है और खबर है कि शूटिंग की जगह बदल दी गई है। यश ने एक बार फिर अपने ऑफ-स्क्रीन जेस्चर से लोगों का दिल जीत लिया है। हाल ही खबर आई कि एक्टर ने कथित तौर पर शूटिंग शेड्यूल को मुंबई में शिफ्ट किया है, ताकि उनकी को-स्टार कियारा आडवाणी की सहूलियत हो जो इस वक्त प्रेग्नेंट हैं। '123 तेलुगु' ने बताया कि यश ने अपनी फिल्म 'टॉक्सिक' के डायरेक्टर गीतू मोहनदास और प्रोड्यूसर वेंकट के नारायण से शूटिंग की सारी फॉर्मैलिटीज बेंगलुरु से मुंबई शिफ्ट करने को कहा था। जाहिर है, यश ने भी प्रड्यूसर्स के साथ सहयोग किया और इसे मुंबई में शिफ्ट किया जिससे फिल्म के निर्माताओं की पैसे भी खर्च होने से काफी हद तक बचे। वहीं, कियारा की बात करें तो उन्होंने और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने मार्च में एक्ट्रेस की प्रेग्नेंसी की खबर अनाउंस की थी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक जॉइंट पोस्ट शेयर कर लिखा था, हमारे जीवन का सबसे बड़ा गिफ्ट जल्द ही आ रहा है। ध्यान दें, यश साल 2022 की ब्लॉकबस्टर 'केजीएफ2' के बाद किसी भी फिल्म में नहीं दिखे हैं। मार्च में, 'रॉकिंग स्टार' ने अपनी फिल्म 'टॉक्सिक' की रिलीज़ की तारीख की घोषणा की। उन्होंने अपने फैन्स को फिल्म का एक नया पोस्टर भी दिखाया। यश की 'टॉक्सिक' 19 मार्च, 2026 को रिलीज़ होने वाली है।

भोजपुरी

'सास बहू की पाठशाला' का ट्रेलर देख फैंस हुए मुरीद

भोजपुरी फिल्मों की स्टार अंजना सिंह की नई फिल्म 'सास बहू की पाठशाला' का ट्रेलर हाल ही रिलीज हुआ, और रिलीज होते ही छा गया है। एक दिन के अंदर इसे डेढ़ लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है और भोजपुरी सिनेप्रेमी तारीफ कर रहे हैं। यह एक कॉमेडी फिल्म है, जिसमें ऐसे ट्विस्ट देखने को मिलेंगे कि हंसी से लोटपोट हो जाएंगे। 'सास बहू की पाठशाला' के ट्रेलर में दिखाया गया है कि गांव में सास और बहू की अलग-अलग पाठशालाएं चलती हैं। इसमें गांव की सभी महिलाएं आती हैं। जहां बहू अपनी सास को सबक सिखाने की कोशिश करती है, वहीं सास अपनी बहू को। लेकिन मजा तब आता है, जब गांव की ही एक देवरानी और जेठानी की जोड़ी इस सास बहू की पाठशाला में जाती हैं। जहां जेठानी, सास वाली पाठशाला में चली जाती है, वहीं देवरानी जाती है बहू वाली पाठशाला में। इन दोनों के पतियों यानी भाइयों के बीच भी नहीं पटती। इसी वजह से घर में हमेशा महाभारत छिड़ी रहती है और खूब लड़ाई होती है। तब घर में अंजना सिंह छोटी बहू बनकर आती है और इस कलह को खत्म करने का फैसला लेती है। इस दौरान क्या कुछ होता है, वह देखना मजेदार होगा। 'सास बहू की पाठशाला' का ट्रेलर देख भोजपुरी सिनेमा लवर्स फिदा हो गए हैं। एक यूजर ने लिखा है, 'वाह, गर्दा उड़ा दिया।' एक बोला, 'बहुत ही हंसाने वाली फिल्म होगी।' एक ने लिखा, 'बहुत ही बढ़िया। इस फिल्म का मुझे बेसब्री से इंतजार है।'

लाइफ स्टाइल

जाह्नवी की तरह ब्रालेट को करें पेयर

जाह्नवी कपूर इन दिनों लंदन में हैं। हाल ही में उन्होंने वहां एक स्टोर की ओपनिंग की और कुछ फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर की। इस तस्वीरों में एक्ट्रेस ब्लू कलर की निटिड यानी बुनी हुई मिडी ड्रेस में दिख रही हैं। इस वी नेकलाइन की बॉडीकॉन ड्रेस के साथ उन्होंने मटैलिक सी ग्रीन कलर की ब्रालेट को पेयर किया। आप भी डीप नेक या ओपन बटन मिडी ड्रेस के साथ इसे स्टाइल कर सकते हैं।

सिर्फ 5 रुपए की इस चीज से पसीने की बदबू होगी छूमंतर, स्किन भी करेगी शाइन

अगर आप चाहते हैं कि शरीर से पसीना कम आए और पसीने की बदबू भी कंट्रोल में रहे। तो इसके लिए आप नींबू का इस्तेमाल कर सकती हैं। नींबू एरोमैटिक होता है और इसकी महक काफी डॉमिनेटिंग होती है। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि नींबू का कैसे इस्तेमाल करना है। नींबू एरोमैटिक होता है और इसकी महक काफी डॉमिनेटिंग होती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि नींबू का कैसे इस्तेमाल करना है। जिससे शरीर की गंध को कम किया जा सके।

नींबू का जेल

बता दें कि घर पर नींबू का जेल तैयार करना बहुत आसान है। नींबू का जेल तैयार करने के लिए आपको बस मुट्ठीभर नींबू के छिलकों की जरूरत होगी।

सामग्री

नींबू के छिलके- 20 से 25। गुलाब जल- 1 बड़ा चम्मच। विटामिन-ई कैप्सूल- 1।

विधि

सबसे पहले एक बाउल में पानी लें और उसमें नींबू का छिलका डालें। इसको तब तक उबालें, जब तक नींबू के छिलके जेल जैसे न लगने लगें। अब इस मिश्रण में विटामिन ई कैप्सूल और गुलाबजल डालें। फिर इसको एक शीशी में भरें। वहीं जब आप नहाने जाएं, तो इससे पहले 1 घंटे पहले इस मिश्रण को शरीर के उन हिस्सों पर लगाएं, जहां पर सबसे ज्यादा पसीना आता है। फिर थोड़ी देर बाद पानी से नहा लें। अगर आप रोजाना ऐसा करती हैं, तो कुछ ही दिनों में आपको रिजल्ट्स देखने को मिलेंगे।

नहाने के पानी में डालें नींबू का रस

नींबू के रस को पानी में डालकर रोजाना नहाने से आपको शरीर से निकलने वाला एक्स्ट्रा ऑयल कंट्रोल होगा। साथ ही इससे शरीर से आने वाली बदबू भी दूर होगी। इससे आपकी स्किन में ग्लो आएगा और स्किन शाइन करेगी। इस बात का ध्यान रखें कि अगर आपकी बॉडी में किसी तरह का इंफेक्शन है, या फिर किसी तरह का शरीर का घाव है, तो आपको नींबू का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। क्योंकि इससे आपके शरीर में छरछराहट भी होती है।

खूबसूरती के लिए जरूरी है अट्रैक्टिव हेयर स्टाइल

हम सभी को ट्रेंडी हेयर स्टाइल बनाना पसंद होती है। जिसके लिए हम अक्सर पार्लर जाकर हेयर स्टाइल करवाते हैं। तो वहीं कई बार वीडियो देखकर हेयर स्टाइल क्रिएट करते हैं। लेकिन खुले बालों में किस तरह की एक्सेसरीज लगाना चाहिए, यह समझ नहीं आता है। ऐसे में आप अपने हेयर स्टाइल को अट्रैक्टिव बनाने के लिए हेयर बैंड बना सकती हैं। वहीं आपको हेयर बैंड अलग-अलग डिजाइन में मिल जाएंगे। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हेयर बैंड डिजाइन के बारे में बताने जा रहे हैं।

स्टोन वर्क हेयर बैंड

बालों में लगाने के लिए आप स्टोन वर्क वाले हेयर बैंड ट्राई कर सकती हैं। इस तरह के हेयर बैंड लगाने से हेयर स्टाइल काफी अच्छा लगता है। वहीं आपका हेयर लुक भी अच्छा लगेगा। आप खुले बालों में इस तरह के हेयर बैंड को लगाएं। फिर पीछे के बालों को कर्ल करें। इससे आपका हेयर स्टाइल काफी अच्छा लगेगा। मार्केट में आपको इस तरह का हेयर बैंड 40 से 100 रुपए के बीच में मिल जाएगा।

चौड़े और चमकीले हेयर बैंड

अगर आप भी अपने हेयर स्टाइल को अच्छा बनाना चाहते हैं तो आप इस तरह के हेयर बैंड ट्राई कर सकती हैं। इससे भी आपका हेयर स्टाइल अच्छा लगेगा। इस तरह के हेयर बैंड में आपको वाइयर डिजाइन मिलेंगे। इसमें आपका ओपन हेयर स्टाइल काफी अच्छा लगेगा। मार्केट में आपको इस तरह की हेयर एक्सेसरीज 30 से 50 रुपए में मिलेंगे।

अपनी हेयर स्टाइल को अट्रैक्टिव बनाने के लिए आप वर्क वाले हेयर बैंड का इस्तेमाल कर सकती हैं।

त्यौहारों में पैरों के लिए परफेक्ट हैं ये मेहंदी डिजाइंस, हर कोई कह उठेगा वाह

पैरों की मेहंदी पर भी उतनी ही मेहनत करनी पड़ती है, जितनी की हाथों की मेहंदी पर होती है। लेकिन जब पैरों की मेहंदी लगाने की बारी आती है, तो यह समझ नहीं आता है कि ऐसी कौन सी मेहंदी डिजाइन लगाई जाए, जिससे कम समय में पैरों को खूबसूरत डिजाइन से भरा जा सके। हाथों के अलावा नई नवेली के पैरों की मेहंदी डिजाइन पर भी लोगों की निगाहें टिकी रहती हैं। पैरों की मेहंदी पर भी उतनी ही मेहनत करनी पड़ती है, जितनी की हाथों की मेहंदी पर होती है। लेकिन जब पैरों की मेहंदी लगाने की बारी आती है, तो यह समझ नहीं आता है कि ऐसी कौन सी मेहंदी डिजाइन लगाई जाए, जिससे कम समय में पैरों को

मोर वाली मेहंदी डिजाइन

आप हाथों के साथ पैरों पर भी मोर डिजाइंस बना सकती हैं। अगर आपके पैर लंबे हैं, तो आप बड़े-बड़े मोर की डिजाइन बनानी चाहिए। वहीं अगर आपके पैर छोटे हैं, तो आप पतले और पंख फैलाए मोर की आकृति भी बना सकती हैं। मोर के अलावा आप पैरों में बगीचे का भी डिजाइन बना सकती हैं।

जाल मेहंदी डिजाइन

जाल मेहंदी डिजाइन लगाने में आसान होने के साथ काफी खूबसूरत भी लगती है। कम समय में इस डिजाइन से आपके पैर इतने भर जाएंगे कि आपको दूसरी डिजाइन के बारे में सोचना भी नहीं पड़ेगा। जाल मेहंदी डिजाइन में आपको बहुत सारे पैटर्न मिल जाएंगे। आप बॉर्डर, फूलों, ब्लॉक्स और बेल आदि की डिजाइन बना सकती हैं। वहीं जाल को भरने के लिए अलग तरह की डिजाइस के एलिमेंट्स का भी प्रयोग कर सकती हैं। अगर आपने पंजे को जाल वाली डिजाइन से भर दिया है, तो आप ऊपर की ओर मेहराब, चक्र और बॉर्डर डिजाइंस लगा सकती हैं।

पुरानी साड़ियों को फेंकें नहीं, पोल्का डॉट साड़ी से बनाएं खूबसूरत ड्रेस

आपके पास भी इस तरह की पोल्का डॉट साड़ी हैं और अब इन साड़ियों को आप नहीं पहनती हैं। तो आप इन साड़ियों के इस्तेमाल से डिजाइनर ड्रेस तैयार कर सकती हैं। ऐसे में आप इन ड्रेसेज को पहनकर काफी खूबसूरत लगेंगी। आजकल पोल्का डॉट साड़ी काफी चलन में हैं। ऐसे में ज्यादातर महिलाओं के पास यह साड़ी देखने को मिल जाएगी। हालांकि दो-तीन बार एक साड़ी को पहनने के बाद ज्यादातर महिलाएं इन्हें किसी और को दे देती हैं या फिर उस साड़ी को फेंक देती हैं। ऐसे में आपके पास भी इस तरह की पोल्का डॉट साड़ी हैं और अब इन साड़ियों को आप नहीं पहनती हैं। तो आप इन साड़ियों के इस्तेमाल से डिजाइनर ड्रेस तैयार कर सकती हैं। ऐसे में आप इन ड्रेसेज को पहनकर काफी खूबसूरत लगेंगी। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पोल्का साड़ी से बनने वाली ड्रेस के बारे में बताने जा रहे हैं।

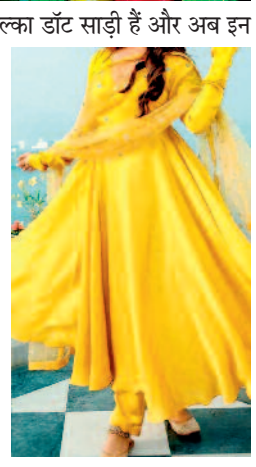

पोल्का डॉट वन शोल्डर मिडी ड्रेस

अगर आपके पास ब्लैक एंड व्हाइट कलर की पोल्का डॉट साड़ी है। तो इसका इस्तेमाल करके पोल्का डॉट वन शोल्डर मिडी ड्रेस तैयार कर सकती हैं। इस ड्रेस के साथ मेकअप, एक्सेसरीज और हील्स भी शामिल कर सकती हैं। इस ड्रेस को पहनकर आपका लुक गॉर्जियस लगेगा।

प्रिंटेड फिट एंड फ्लायर ड्रेस

आप किसी भी पोल्का डॉट साड़ी के इस्तेमाल से प्रिंटेड फिट एंड फ्लायर ड्रेस बना सकती हैं। इस ड्रेस को आप किसी भी फंक्शन में भी जा सकती हैं। आप टेलर की मदद से या खुद से इसको अपनी साइज के हिसाब से बनवा सकती हैं। वहीं मेकअप और हेयर स्टाइल से अपने लुक की खूबसूरती को बढ़ा सकती हैं।

नेवी ब्लू पोल्का डॉट प्रिंटेड ड्रेस

अगर आप भी भीड़ से हटकर नजर आना चाहती हैं तो आप पोल्का डॉट साड़ी का इस्तेमाल कर नेवी ब्लू पोल्का डॉट प्रिंटेड ड्रेस तैयार करवा सकती हैं। यह आपके लुक में चार चांद लगाने का काम करेगा। वहीं आप चाहें तो इस ड्रेस को घर पर भी तैयार कर सकती हैं।

कार्नर न्यूज

आज की हर युवती की पहली पसंद है यह ड्रेस

जींस के साथ स्टाइल करें बांधनी शॉर्ट कुर्ती स्टाइलिश दिखने के साथ लगेंगी खूबसूरत

कुर्ती पहनना लगभग हर लड़की को पसंद होता है। जिसके लिए वह अक्सर अलग-अलग डिजाइन और पैटर्न वाली कुर्तियां पहनती हैं। लेकिन जब भी जींस के साथ कुर्ती पहनने की बात होती है, तो अक्सर प्रिंटेड डिजाइन वाली कुर्ती तलाश करते हैं। ऐसे में आप जींस के साथ बांधनी प्रिंट वाली कुर्ती को वियर कर सकती हैं। इस तरह की कुर्ती पहनने से आपका लुक काफी अच्छा लगेगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह के प्रिंट वाली बांधनी प्रिंट को ट्राई कर सकती हैं।

गोटा वर्क वाली बांधनी प्रिंट कुर्ती

अगर आप भी अपने लुक को अट्रैक्टिव बनाना चाहती हैं, तो आपको गोटा वर्क वाली बांधनी प्रिंट कुर्ती कैरी करनी चाहिए। गोटा वर्क वाली बांधनी प्रिंट कुर्ती में आपको नेकलाइन पर गोटा वर्क मिलेगा और स्लीव्स पर भी बॉर्डर मिलेगा। मार्केट में इस तरह की कुर्ती 300-800 रुपए तक मिल जाएगी।

प्लेन डिजाइन वाली बांधनी कुर्ती

यदि आप भी शॉर्ट कुर्ती पहनने के लिए प्रिंट सर्च कर रही हैं, तो आपको प्लेन डिजाइन वाली बांधनी कुर्ती स्टाइल करनी चाहिए। यह कुर्ती पहनने के बाद काफी अच्छी लगेगी। हालांकि इसमें आपको किसी तरह का वर्क नहीं मिलेगा। इसमें आपको वी नेकलाइन और प्रिंटेड डिजाइन मिलेगा। इससे

आपका लुक बहुत प्यारा आएगा। मार्केट में यह कुर्ती 200-400 रुपए के बीच मिल जाएगी।

स्ट्रैपलेस वाली बांधनी कुर्ती

आप चाहें तो स्ट्रैपलेस वाली बांधनी कुर्ती भी ट्राई कर सकती हैं। यह कुर्ती पहनने के बाद काफी अच्छी लगेगी। इस तरह की कुर्ती में आपको बड़े प्रिंट वाला डिजाइन मिलेगी। आपको मार्केट में इस तरह की कुर्ती 300-500 रुपए के बीच में आसानी से मिल जाएगी।

बांधनी प्रिंट वाली अनारकली कुर्ती

आप बांधनी प्रिंट वाले अनारकली सूट को जींस के साथ पेयर कर सकती हैं। यह अनारकली कुर्ती पहनने के बाद काफी अच्छी लगती है। इसमें आपको पूरे में बांधनी प्रिंट मिलेगा। हालांकि इसमें आपको ज्यादा ऑप्शन नहीं मिलेंगे। लेकिन मार्केट में आपको 200-500 रुपए के बीच में बांधनी प्रिंट वाली अनारकली कुर्ती मिल जाएगी। इससे आपका लुक बेहद प्यारा लगेगा।